दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 194
मुरादाबाद
(Thursday)
06 November 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

कार्तिक पूर्णिमा पर स्नानः तटों पर भक्ति की बयार... श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा; 30 लाख से अधिक ने लगाई डुबकी

हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर में कार्तिक पूर्णिमा मेला पर गंगा स्नान के दौरान श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की गई। इस दौरान गंगा के तटों पर भक्ति की बयार दिखाई दी। मां गंगा के जयघोष से गंगा घाट गूंज उठे। भंडारों में प्रसाद का वितरण भी हुआ।हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर में महाभारत काल से जुड़े पौराणिक कार्तिक पूर्णिमा मेले का मुख्य स्नान पर्व बुधवार को हुआ। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार, खादर और ब्रजघाट मेले में 30 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। लेकिन श्रद्धालुओं की भीड़ के सामने प्रशासन की व्यवस्थाएं नाकाफी साबित हुई।जिस कारण श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। कार्तिक पूर्णिमा मेलावधि में पश्चिमी उप्र के विभिन्न जनपदों, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान व अन्य प्रदेशों से भक्त मां गंगा के रेतीले मैदान में पहुंचे, जहां उन्होंने तंबुओं के आशियाने बनाकर पड़ाव डाला। - श्रद्धालुओं ने गोपाष्टमी, आंवला नवमी, एकादशी के बाद कार्तिक शुक्ल चतुर्दशी के मुख्य पर्वों के साथ ही प्रतिदिन मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। वहीं, कार्तिक पूर्णिमा पर्व पर भी श्रद्धालुओं ने मेला स्थल और गंगानगरी ब्रजघाट में स्नान कर पुण्यार्जित किया। तड़के शुरू हुआ स्नान का सिलसिला- स्नान का सिलसिला तड़के आरंभ हुआ, जो बुधवार को चलता रहा। इस दौरान तट मां गंगा के जयघोष से गुंजायमान रहे। भक्तों ने स्नान के उपरांत तट पर हवन कर देश समेत परिवार की खुशहाली, बीमारियों, प्राकृतिक आपदाओं से निजात की भी मंगलकामना की। वहीं भगवान सत्यनारायण की कथा का श्रवण भी किया। इसके अलावा गंगा तट समेत क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर भंडारों का भी आयोजन हुआ। इस दौरान गंगा के रेतीले मैदान और ब्रजघाट में भक्ति की बयार बहती दिखाई दी।श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के सामने पुलिस-प्रशासन द्वारा की गई सभी व्यवस्थाएं काफी कम साबित हुईं। महिलाओं के लिए कपड़े बदलने के कक्ष, मोबाइल शौचालय, पेयजल व्यवस्था समेत अन्य सुविधाएं श्रद्धालुओं के लिए कम पड़ गए। श्रद्धालुओं पर की गई पुष्प वर्षा- शासन के निर्देश पर एडीएम इला प्रकाश ने बुधवार की सुबह हेलिकॉप्टर से कार्तिक पूर्णिमा मेला और ब्रजघाट में पड़ाव डाले व गंगा स्नान कर रहे श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की। स्नान और पूजन के दौरान आसमान से फूल बरसते देखकर श्रद्धालु गद्द हो गए।रात में संपर्क मार्ग रहे जाम- दीपदान कर लौटने और कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को पुलिस-प्रशासन से मुख्य मार्ग के बजाए संपर्क रास्तों से निकाला। जिस कारण मंगलवार की शाम से ही संपर्क मार्गों पर वाहनों के पहिए थम गए थे। देर रात भी कमोबेश यही स्थिति बनी रही। वहीं, ब्रजघाट में गंगा पुल पर भी जाम की स्थिति बनी रही। जिस कारण श्रद्धालुओं को भारी परेशानी रही। बुधवार की सुबह जाम से राहत मिल सकी।

संक्षिप्त समाचार

उमा भारती ने नई सियासी पारी शुरू करने के संकेत दिए, कहा- टिकट मिला तो झांसी से लड़ूंगी लोकसभा का चुनाव

संगम की रेती पर गंगा किनारे मंगलवार को आयोजित गंगा सेवा संकल्प अभियान के मंच से साध्वी उमा भारती ने नई सियासी पारी शुरू करने के संकेत दिए। गंगा के बहाने पीएम मोदी और महाकुंभ आयोजन के लिए सीएम योगी की शान में कसीदे पढ़े।संगम की रेती पर गंगा किनारे मंगलवार को आयोजित गंगा सेवा संकल्प अभियान के मंच से साध्वी उमा भारती ने नई सियासी पारी शुरू करने के संकेत दिए। गंगा के बहाने पीएम मोदी और महाकुंभ आयोजन के लिए सीएम योगी की शान में कसीदे पढ़े। उन्होंने एलान किया कि यदि पार्टी ने मौका दिया तो वह आगामी लोकसभा चुनाव झांसी से लड़ेंगी।मंच से उमा भारती ने कहा कि मुगलों और अंग्रेजों के कालखंड में गंगा को बांधने का प्रयास किया गया पर गंगा को कोई कैद नहीं कर सकता क्योंकि गंगा किसी सरकार के भरोसे पर चलने वाली नदी नहीं है और न ही किसी नेता के बल पर चलने वाली नदी है।गंगा साधु संतों ऋषि मुनियों और करोड़ गंगा भक्तों की आस्था श्रद्धा और भक्ति तपस्या के बल पर चलने वाली नदी है जिसे कोई कैद नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मां गंगा की शुद्धता के लिए नमामि गंगे का मंत्रालय बना उसकी पॉलिसी बनी और काम भी शुरुआत किया गया काम में रुकावट आई है

सीएम बोलेः जब विदेशी आक्रांताओं के आगे कई राजा-रजवाड़े झुक गए, तब गुरु नानक देव जी ने बाबर को जल्लाद कहा

सीएम योगी ने कहा कि उस काल में जब देश बाबर जैसे विदेशी आक्रांताओं की बर्बरता झेल रहा था, जब मंदिर तोड़े जा रहे थे, आस्था पर प्रहार हो रहे थे, तब भी गुरु नानक देव जी बिना भय के मार्गदर्शन किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को सिख पंथ के संस्थापक एवं प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 556वें प्रकाश पर्व पर राजधानी लखनऊ के डीएवी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने सिख गुरुओं के सम्मान में अपना शीश नवाया और दर्शन किए। समारोह में कमेटी की ओर से मुख्यमंत्री का स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु नानक देव जी भारत के एक उच्च कोटि के आध्यात्मिक महापुरुष थे, जिन्होंने 500 वर्ष पहले समाज के संगठन, समानता और सेवा का जो संदेश दिया, वही आज भारत की सामाजिक व्यवस्था की नींव है।सीएम योगी ने कहा कि उस काल में जब देश बाबर जैसे विदेशी आक्रांताओं की बर्बरता झेल रहा था, जब मंदिर तोड़े जा रहे थे, आस्था पर प्रहार हो रहे थे, तब भी गुरु नानक देव जी बिना भय, बिना दबाव समाज को मार्गदर्शन दे रहे थे। उन्होंने मिल-बांटकर खाने, गरीबों की मदद करने और एकजुट समाज बनाने का संदेश दिया।

भारत के संतों ने संकट के समय भी राष्ट्र की आत्मा को जीवित रखा- मुख्यमंत्री ने गुरु नानक देव जी की आध्यात्मिकता का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि भारत संतों और महापुरुषों की उस परंपरा का देश है, जिसने संकट के समय भी राष्ट्र की आत्मा को जीवित रखा। योगी ने कहा कि जब विदेशी आक्रांताओं के आगे कई राजा-रजवाड़े झुक गए, तब गुरु नानक देव जी ने बाबर को 'जाबर' यानी जल्लाद कहने का साहस दिखाया। यही भारत की संत परंपरा की शक्ति थी। समाज में एकता और धर्म की मजबूती का आह्वान- मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर समाज में एकता और धर्म की मजबूती का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज जब कुछ क्षेत्रों में धर्मांतरण जैसी गतिविधियां दिखाई देती हैं, तो हमें सिख पंथ की मूल भावना - एकता, संगठन और सेवा को और सशक्त करना होगा। योगी ने कहा कि अगर कहीं कोई कमी है, तो हमें उसे दूर करना होगा।

गुरु गोविंद सिंह जी महाराज ने जब खालसा पंथ की स्थापना की, तब उन्होंने समाज के हर वर्ग को जोड़ा। उसी भावना को हमें फिर से जीवंत करना होगा। मजबूत रहेंगे तो हर कोई आस्था का सम्मान करेगा- मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हम मजबूत रहेंगे, तो हर कोई हमारी आस्था का सम्मान करेगा। सिख गुरुओं और महापुरुषों का बलिदान हमारे लिए प्रेरणा है। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई दी और कहा कि गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं हमारे जीवन और समाज को दिशा देती रहें।

मिर्जापुर में दर्दनाक हादसाः कालका मेल की चपेट में आकर छह श्रद्धालुओं की मौतःसीएम व मंत्री ने जताया शोक

मिर्जापुर जिले में बुधवार की सुबह दर्दनाक हादसा हुआ। यहां ट्रेन की चपेट में आकर छह लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद शवों के चिथड़े उड़ गए थे। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में बुधवार की सुबह दिल दहलाने वाली घटना सामने आई। रेलवे स्टेशन चुनार पर बुधवार की सुबह ट्रेन से उतरकर लाइन पार करते समय कालका मेल की चपेट में आने से छह लोगों की मौत हो गई। हादसे में शव क्षत-विक्षत हो गया। मौके पर पहुंचे जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने शवों को रेलवे लाइन से हटवाकर किसी तरह से शिनाख्त कराया। मौके पर अन्य अधिकारी पहुंचे। रेलवे स्टेशन चुनार पर सुबह सवा नौ बजे यात्री गोमो प्रयागराज एक्सप्रेस से उतरकर गलत दिशा से लाइन पार कर रहे थे। उसी समय प्लेटफॉर्म नंबर तीन से गुजर रहे कालका मेल की चपेट में आ गए। सभी यात्री कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने के लिए आ रहे थे। हादसे के बाद शवों को रेलवे लाइन से हटाकर शिनाख्त कराया गया। इसमें सविता (28) पत्नी राजकुमार निवासी कमरिया थाना राजगढ़, साधना (16) पुत्री विजय शंकर बिंद, शिव कुमारी (12) पुत्री विजय शंकर, अप्पू देवी (20) पुत्री श्याम प्रसाद, सुशीला देवी (60) पत्नी स्व. मोतीलाल निवासी महुआरी थाना पड़री, कलावती देवी (50) पत्नी जनार्दन यादव निवासी बसवा थाना कर्मा सोनभद्र के शवों की शिनाख्त हुई है। अब तक छह लोगों के ट्रेन से कटकर मौत की बात सामने आई है। मौके पर एएसपी आपरेशन मनीष कुमार मिश्रा जांच पड़ताल करने के लिए पहुंच गए है। सीएम योगी ने लिया हादसे का संज्ञान- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिर्जापुर जिले के चुनार रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे का संज्ञान लिया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। हादसे को लेकर मंत्री अनुप्रिया पटेल ने जताया शोक- कैबिनेट मंत्री अनुप्रिया पटेल ने हादसे को लेकर शोक जताया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखा कि %आज संसदीय क्षेत्र मीरजापुर के चुनार रेलवे स्टेशन की हृदय विदारक घटना से मन बहुत व्यथित है। जिले के अधिकारीगण को तत्काल घटना स्थल पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने तथा घायलों के समुचित उपचार हेतु निर्देशित किया है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी का बड़ा आरोपः हरियाणा में 25 लाख वोट चोरी हुए, नकली फोटो वाले 1.24 लाख वोटर

राहुल गांधी ने एक मतदाता का उदाहरण देते हुए कहा कि डालचंद नामक व्यक्ति यूपी में भी वोटर हैं, हरियाणा में भी वोटर है। उनका बेटा भी हरियाणा में भी वोटर है, यूपी में भी वोट करता है। ऐसे हजारों की तादाद में लोग हैं। मथुरा के सरपंच प्रह्लाद का नाम भी हरियाणा में कई जगह वोटर लिस्ट में है।कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) के मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने वोट चोरी के अपने आरोप दोहराए और अपने दावे के पक्ष में बातें बताईं। राहुल गांधी ने मतदाताओं के फर्जी फोटो और फर्जी मकान के पतों पर सवाल उठाए।प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्या-क्या हुआ, सिलसिलेवार ढंग से जानें राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत में कई राज्यों के एग्जिट पोल दिखाए। उन्होंने इनके जरिए कहा कि हरियाणा, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में वोट चोरी पकड़ी गई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में एग्जिट पोल में कांग्रेस की जीत दिखाई गई। और भी कई जगहों पर ऐसे ही नतीजे पेश किए गए। लेकिन हमें बाद में वोट चोरी की शिकायतें मिलीं।राहुल ने एक महिला की तस्वीर दिखा कर कहा कि हरियाणा में एक महिला ने अलग-अलग नाम से 10 जगह 22 बार वोट डाला। उन्होंने दावा किया कि यह महिला एक ब्राजील की मॉडल है। उसने स्वीटी, विमला, सरस्वती आदि नाम से वोट डाला। उन्होंने कहा कि ये बूथ स्तर पर नहीं हो रहा है। ये सेंट्रलाइज ऑपरेशन है। राहुल गांधी ने कहा कि %हमारे पास %॥% फाइल्स हैं और यह इस बारे में है कि कैसे एक पूरा राज्य चुरा लिया गया है। हमें शक है कि यह सिर्फ अलग-अलग सीटों पर नहीं हो रहा है, बल्कि राज्य और नेशनल लेवल पर हो रहा है। हमें हरियाणा में अपने उम्मीदवारों से बहुत सारी शिकायतें मिलीं कि कुछ गड़बड़ है। हमने ऐसा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र में भी अनुभव किया था, लेकिन हमने हरियाणा पर फोकस किया कि वहां क्या हुआ था, उसकी पूरी जानकारी लेने का फैसला किया।% राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि हरियाणा में हर आठ में से एक वोटर नकली है। उन्होंने कहा कि नकली फोटो वाले हरियाणा में एक लाख से ज्यादा मतदाता हैं। राहुल गांधी ने दावा किया कि हरियाणा में 25 लाख वोट चोरी हुए। राहुल गांधी ने मतदाता सूची में कई मतदाताओं के मकान नंबर शून्य होने पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि फर्जी मतदाताओं की कोई पहचान नहीं होती और फर्जी मतदाता वोट डालने के बाद गायब हो जाते हैं और उनकी पहचान करना मुश्किल होता है। उन्होंने कहा कि जांच में 500 मतदाताओं का एक ही पता पाया गया। राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कई लोगों की वीडियो क्लिप प्रसारित कराई, जिनमें वो लोग कह रहे थे कि उनकी वोट काट दी गई। नेता विपक्ष ने आरोप लगाया कि हरियाणा चुनाव के दौरान 3.5 लाख मतदाताओं के वोट काटे गए। राहुल गांधी ने एक मतदाता का उदाहरण देते हुए कहा कि डालचंद यूपी में भी वोटर हैं, हरियाणा में भी वोटर है। उनका बेटा भी हरियाणा में भी वोटर है, यूपी में भी वोट करता है। ऐसे हजारों की तादाद में लोग हैं

संपादकीय Editorial

The Guardians of Kangra

Politics often overflows, like boats navigating through storms. This time, the confluence of these overflowing rivers of politics occurred in Kangra, and in the embrace of former Chief Minister Jairam Thakur, one could see the ocean of happiness of Shanta Kumar, encompassing the entire Beas River. This will undoubtedly be the best photo or photoshoot of this decade, and the entire district will look for its guardian in these arms of joy. Questions buzz like bees in the political gardens of Kangra, but what teeth are left in the honor of this dilapidated district? Surely, this meeting is a sign of changing weather, otherwise, what is left in this scorching desert but thorns? So, will the Himachal BJP sift through the political desert of Kangra to pick its thorns? Incidentally, former Chief Minister Jairam Thakur has already run so much in the 'Run for Unity' that the crooked paths of Kangra are testifying to reaching a straight destination. For several decades, Kangra has been looking for the right guardian for itself, sometimes looking towards Shimla, sometimes Mandi, and sometimes Hamirpur. In such a situation, will the concerns of Mandi become the festivals of Kangra? Here, in the competition between two parties to claim ownership of Kangra, if Chief Minister Sukhwinder Sukhu considers himself the guardian of the district, then Jairam Thakur, by raising a crop of questions, has seized the ground of relevance for his visit. Jairam has put the Sukhu government's role in the construction of the Central University's Jadrangal campus on the scales. Is this issue about Kangra within Kangra, about the Kangra versus Hamirpur parliamentary constituency, or about the journey from the Dhumal government to the Sukhu government? Nevertheless, Jairam has not only extracted fire from the burning questions and questioned the government, but has also stirred his ladle in the political ownership of Kangra. This is also because the winter session of the Assembly is returning to Tapovan, and Kangra will hear its implications with its own ears. At the provincial convention of the Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad in Kangra, 92-year-old Shanta Kumar was showcasing his enthusiasm. While Kangra's political landscape hasn't exactly thrived under his legacy, the veteran leader's influence has remained constant. Overall, no leader of Shanta Kumar's stature has emerged from Kangra since his time. The BJP has been running its governments between Hamirpur and Mandi, while the Congress is also asserting its influence in Hamirpur, descending from Shimla. In this situation, it must be acknowledged that Kangra lacks a strong leader, and therefore, political gains are being made here through Hamirpur and Mandi. Despite Shanta Kumar's ability to remain an active figure in Himachal's political history even at 92 years old, the leaders of Kangra under his patronage have been fragmented. When he smiles, Jairam Thakur appears. When he praises someone, Congress Chief Minister Sukhwinder Sukhu also receives credit. If Jairam Thakur is genuinely accepting the positive sentiments of Kangra's politics under Shanta Kumar's influence, it could also be a harbinger of the upcoming elections. In his first term as Chief Minister, Jairam Thakur may have established a connection with Kangra through his position of power, but now he will have to start a new innings to become the district's true guardian. In the political atmosphere of Kangra, the question of "who after Shanta Kumar?" will be asked of BJP faces like Vipin Singh Parmar, Vikram Singh, or Pawan Kajal, while in the Congress, who will be the one to be intrinsically linked to the destiny of the entire district? Will Sukhwinder Singh Sukhu steer his ship from the shores of Nadaun-Dehra and tame the winds.

The Year of Daughters: The Voice, Trust, and Opportunities for Every Indian Daughter Created History

The year 2025 proved to be a memorable one for the daughters of India. For the first time, 17 women cadets graduated from the National Defence Academy, and the women's cricket team brought glory to the nation by winning the One Day World Cup for the first time. These achievements show that with trust and opportunity, women can create history in every field, and their participation in politics, sports, science, and society is continuously increasing. It would not be an exaggeration to call 2025 the year of daughters. This single year has brought to the forefront the era of social change, institutional reforms, and women's empowerment in India, the foundation of which was laid in the last decade. History was made on May 30, 2025, when for the first time, 17 women cadets graduated from the National Defence Academy along with more than 300 male cadets. In November of the same year, the Indian women's cricket team hoisted the tricolor on the world stage by winning the One Day World Cup for the first time. This is more than just an ordinary achievement; it is a symbol of social consciousness that shows that if given trust and opportunity, the daughters of India can create history in every field. The voice of every Indian daughter: After winning the World Cup, a young player from the women's cricket team said in front of the camera, "Thank you very much to everyone who believed in us." It seems that this line is the voice that has come from the heart of all the daughters of this country. This is something that not only all institutions but every Indian should listen to and understand with open ears and minds: that if you trust and provide opportunities, daughters are no less than anyone in becoming world champions and enhancing the glory of the tricolor. This victory of the women's cricket team in the One Day World Cup proves that indeed, 'my country is changing.' From politics to the sports field, from corporate to running the household, from the border to ISRO, the increasing participation of women clearly shows what has changed in the past few years, something that was needed since independence. Policies of equal opportunity and new initiatives - policy changes are also behind this success of women. Over the past decade, several decisive steps have been taken in the fields of sports, the armed forces, education, and employment, giving daughters new wings to fly. This is undoubtedly a time to salute our daughters, and also to reflect on the decisions that have given wings to their aspirations. In this context, the BCCI's decision in 2022 to implement equal pay and the efforts made over the past decade to provide equal opportunities to women athletes, treating their talent and capabilities with the same lens as male athletes, are truly significant. The importance of national programs like Khelo India and Fit India: The Modi government established a separate wing for women athletes in the Khelo India scheme, implementing a policy to identify and train talent from rural areas and small towns. The 'Fit India Movement' has become a social movement, connecting women with sports, yoga, and fitness. Participation in the Armed Forces: From the appointment of women fighter pilots in 2015 to the passing out of women cadets from the National Defence Academy in 2025, this decade has witnessed the biggest change in India's military policy. Now, women are not only serving in administrative positions but also in combat roles. Dominance in every field – home, corporate, and politics: Today, women have become the pivot of change at every level of society. The number of women CEOs in the corporate world is steadily increasing, the participation of women MPs in Parliament is at a historic level, and the role of daughters in education and economic decisions at home has become more powerful than ever before. Prime Minister Modi has repeatedly said in his speeches, "When a daughter progresses, the whole family and the whole society progress." This perspective has not only become a part of government policy but is also reflected in social consciousness. Equal Pay Policy: The Board of Control for Cricket in India (BCCI) took a historic decision in 2022, implementing equal pay for male and female players. Under this, women players now receive the same match fees as their male counterparts. New roles in a New India: Today, women's participation in India is no longer merely symbolic, but decisive. Whether it's victory on the cricket field or duty at the border, women are now making their presence felt on every front. President Droupadi Murmu's leadership, the increasing role of women scientists, and the success of female athletes in sports—all of this paints a picture of a new India, where women's talent is not confined by any category or gender. This is truly the India of our dreams, where ability knows no gender.

From a Sanskrit school to the pinnacle of the judiciary

The upcoming Chief Justice, Suryakant, is being discussed a lot these days, but his father, Shri Madan Gopal Shastri, deserves even more attention. Justice Suryakant is the country's next Chief Justice and is perhaps a rare son who has always considered his father his guide and source of inspiration. I was always proud of my personal relationship with Shri Madan Gopal Shastri, who served as a Sanskrit teacher in a school in Haryana until his retirement, even when we both enjoyed coffee and vada-sambar at the Indian Coffee House in Chandigarh. Our meetings weren't just for coffee; the discussions centered on Sanskrit literature and Haryanvi folk culture. Often, Shri Madhav Kaushik, Prof. Harbans, and Dr. Vijendra Yadav would also join these coffee meetings. Shri Madan Gopal was also the president of the Punjab (before reorganization) Sanskrit Teachers' Association for a long time and proudly stated that he was one of the few remaining practitioners of folk culture who had not only heard the folk songs of the renowned singer Pandit Lakhmi Chand but had also discussed the folk tales of the songs with him on several occasions. Shri Madan Gopal Shastri was honored with the 'Mahakavi Surdas Smriti Samman' by the Haryana Sahitya Akademi and the Haryana Sanskrit Akademi, and the Senior Sanskrit Scholar Award by the Culture Academy for his distinguished literary contributions. Some intimate anecdotes related to Shri Madan Gopal are still fresh in my memory, and this is the opportune time to recall them. The first literary function of the Haryana Sahitya Akademi (during my tenure as director) was held in Sirsa, and I had invited the then Advocate General Suryakant as the chief guest. Shri Suryakant was the youngest Advocate General of Haryana. Writers from all over the state were invited to that first function.

It was also a pleasant surprise for me that among the invited writers was the chief guest's father, Shri Madan Gopal Shastri. The public revelation of their relationship came when, before taking his seat on the stage, Shri Suryakant touched his father's feet and sought his blessings. The surprise reached its peak when, as director, I requested Mr. Madan Gopal Shastri, the most senior writer present at the ceremony, to welcome the chief guest on behalf of the academy. The same gesture of touching the feet was repeated on stage when Mr. Shastri presented a bouquet to Mr. Suryakant, and the chief guest touched the feet of the elderly man on the stage. Mr. Madan Gopal would proudly say, “All my sons, including Suryakant, have reserved a room for me and their mother in each of their homes. Whenever we visit any of our sons, we find our room completely ready.” Besides Justice Suryakant, one of Shastri ji's sons is a renowned doctor in Bhiwani, while another son manages the farming in the village. Shastri ji had a deep attachment to his native village, Petwar (Hisar). He would say that 'Petwar' is the birthplace of all his children, including Suryakant. All four children completed their early education under the light of kerosene lamps because electricity was not yet prevalent in the villages at that time. Therefore, my sons also have a deep connection to the earthy scent of this village. All the sons (including Suryakant) received their primary education in this village. Traditionally, he would invite and honor a writer or a scholar every year in this village. Once, he requested me to come there and also said, “My son Suryakant will personally bring you from Chandigarh with due respect.” And it was a moment of special pride for me when he applied a tilak on my forehead with Vedic chants in the presence of the villagers and had his children take turns receiving blessings. Mr. Madan Gopal Shastri has 18 notable works dedicated to folk culture and Sanskrit literature. He received the Senior Culture Scholar Award in 2012 and the Mahakavi Surdas Award in 2013. Justice Suryakant's elder brother, Rishikant, once mentioned that, “Our Surya also wrote poems. One of his poems, 'Medh Par Mitti Chadha Do' (Put soil on the embankment), was quite popular during his college days.” He himself admitted that he had written many poems during his college education. However, his father, like a poetry guru, would criticize them so much that he had to revise and edit his poems several times before showing them to him. Justice Surya Kant also has many professional achievements to his name. He was part of approximately 300 benches, and decisions on Article 370, Bihar 'SIR' One Rank One Pension, Pegasus spyware, equality and corruption, and reserving one-third of the seats for women in the Supreme Court Bar Association are among his notable accomplishments. His elder brother, Rishikant, still lives in the rural area. He is also a former teacher and once proudly said, "Our Surya and Dr. Shivkant have also plowed the fields." Another special thing is that the properties of all the brothers are jointly owned. During many private conversations, the Justice mentioned that he is very attached to the earthy scent of his village. All four brothers also contributed to the reconstruction of the village pond. Justice Surya Kant's wife, Savita, only regrets that she could not complete her PhD. She said, "My father (Shastri ji) wanted me to go into the field of education." They also have two daughters, and the entire family takes great care of them. The judge should not get involved in any controversy, even because of his family. Mr. Madan Gopal Shastri once recounted that when Suryakant entered the judiciary, "I myself called all my sons and family members and cautioned them never to use Justice Suryakant's name for any improper purpose or put any pressure on him." Transparency, straightforwardness, and a balanced and thoughtful life were the special mantras that this Sanskrit teacher imparted to Justice Suryakant and his three other sons.

मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न, मंडलायुक्त ने दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए प्रभावी कदम उठाने के दिए निर्देश

मंडलायुक्त श्री आन्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में तृतीय मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कमिश्नरी सभागार में आयोजित हुई। बैठक में मंडलायुक्त द्वारा मण्डल के समस्त जनपदों में मानक के अनुसार निर्धारित जनपद स्तरीय सड़क सुरक्षा की बैठकें आयोजित कराने हेतु निर्देशित किया गया। संभाग के समस्त सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) को दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु प्रभावी कार्यवाही के लिए भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिना हेलमेट लगाये दो पहिया वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही होनी चाहिए। मंडलायुक्त द्वारा सभी ब्लैक स्पॉट्स पर अल्पकालिक सुधारात्मक कार्यवाही के साथ-साथ दीर्घकालिक सुधारात्मक कार्यवाही के निर्देश दिये गये, जिसमें मार्किंग, रोड साइनेज, स्पीड टेबल पर मार्किंग आदि के लिए निर्देशित किया गया। सोलेशियम स्कीम के अन्तर्गत मिलने वाली सहायता के संबंध में अवशेष प्रकरणों के त्वरित निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि मानक के अनुसार निर्धारित जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठकें करायी जायें। मण्डलायुक्त ने दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के दृष्टिगत एनएचएआई एवं पीडब्ल्यूडी को मण्डल के समस्त मुख्य मार्गों पर क्रेन व एम्बूलेंस की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए और सभी ब्लैक स्पॉट्स पर साईनेज, रिफ्लेक्टर, रम्बल स्ट्रिव, ब्लिंकर लगाने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के दृष्टिगत सभी ब्लैक स्पॉट्स पर लाईटिंग की व्यवस्था अतिशीघ्र करायी जाये। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं की संख्या, मृतकों की संख्या एवं घायलों की संख्या में कमी लाने के लिए मण्डल के सभी जिलों में प्रभावी कार्यवाही के लिए भी निर्देशित किया। जनपद मुरादाबाद में सोलेशियम स्कीम के अधिक प्रकरण लंबित होने के कारण सहायक संभागीय परिवहन अधिकरी (प्रवर्तन) को मंडलायुक्त ने निर्देशित किया कि तत्काल प्रकरण निस्तारण किये जाये। साथ ही मण्डल के अन्य समस्त जिलों को भी लम्बित प्रकरणों के निस्तारण के निर्देश दिए। प्रवर्तन एवं सड़क सुरक्षा के विभिन्न अभियोगों में पुलिस विभाग द्वारा सस्पेंड करने हेतु भेजे गए ड्राइविंग लाईसेंसों के संबंध में आवश्यक कार्यवाही कराने के भी निर्देश दिए। साथ ही जिन जनपदों में पुलिस विभाग द्वारा प्रवर्तन/सड़क सुरक्षा के विभिन्न अभियोगों में ड्राइविंग लाईसेंस सस्पेंड हेतु प्रेषित नहीं किये गये हैं, उनको तत्काल प्रेषित करने एवं समुचित संख्या में ड्राइविंग लाईसेंस सस्पेंड करने के निर्देश दिये। मंडलायुक्त ने कहा कि सड़क सुरक्षा के विभिन्न अभियोगों यथा बिना सीट बेल्ट/हेलमेट, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग ड्रंकन ड्राइविंग, रांग साइड ड्राइविंग आदि में प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही होनी चाहिए। सड़क सुरक्षा जागरुकता के अभियान को जनमानस तक पहुंचाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कराया जाए। मण्डल के समस्त ब्लैक स्पॉट्स पर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु पूर्व में भेजे गये प्रस्तावों के संबंध में पुन: प्रस्ताव प्रेषित किए जाने के निर्देश दिए। अनधिकृत/अवैध संचालित ई-रिक्शाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु सभी जनपदों में थानेवार अभियान चलाने के भी निर्देश दिये साथ ही ई-रिक्शा/ई-आटो का हाईवे पर संचालन न किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि जनपद में ई-रिक्शा जोन के साथ-साथ ई-आटो जोनिंग की व्यवस्था की जाये एवं कडाई से अनुपालन किया जाये। तीव्र गति से चलने वाले वाहनों विशेषकर डम्फरों के विरुद्ध प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही की जाये। घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु मंडलायुक्त ने निर्देशित किया कि रोड किनारे खड़े वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही की जाये। दलपतपुर टोल प्लाजा, चन्दौसी कट, सिहोराबाजे, छपरा मोड़, मनकरा मोड़, भदासना कट तथा सभी ब्लैक स्पाट्स पर अतिशीघ्र फ्लाईओवर का निर्माण कराने हेतु एनएचएआई को निर्देशित किया। बैठक में अपर आयुक्त प्रथम श्री अरुण कुमार सिंह, अपर आयुक्त द्वितीय श्री शशि भूषण, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्रीमती ममता मालवीय, अपर नगर आयुक्त श्री अतुल कुमार, संभागीय परिवहन अधिकारी श्री राजेश सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन श्री संदीप कुमार पंकज, आरएम श्री अनुराग यादव, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन श्री आनन्द निर्मल सहित मण्डल के अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सीबीएसई विद्यालयों के संचालकों और प्रधानाचार्यों के साथ बैठक संपन्न।

विद्यालयों में लागू शुल्क, ड्रेस और पुस्तकों के संबंध में दिए जरूरी निर्देश

जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में जनपद के समस्त सीबीएसई बोर्ड से सम्बद्धता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के संचालकों/प्रधानाचार्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा बैठक में सभी विद्यालय संचालकों/प्रधानाचार्यो को निर्देश दिये गये कि पूर्व में आयोजित जिला शुल्क नियामक समिति की बैठकों में लिये गये निर्णय के अनुसार छात्र/छात्राओं से लिये जाने वाले शुल्क के स्लैब को अधिकतम 04 स्लैबों में रखा जाये। एक स्लैब से दूसरे स्लैब में परिवर्तन होने पर शुल्क की दर में ज्यादा परिवर्तन न हो। इसके अतिरिक्त प्रत्येक वर्ष शुल्क निर्धारण किए जाने में उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित स्वतंत्र विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम 2018 में विहित व्यवस्थानुसार बढ़ोत्तरी की जाये। जनपद के 14 सीबीएसई विद्यालयों द्वारा निर्धारित प्रारूप पर एनसीईआरटी/निजी प्रकाशकों से सम्बन्धित सूचना को उपलब्ध नहीं कराया है। जिलाधिकारी द्वारा सभी विद्यालयों से सूचना प्राप्त कर पुस्तक विक्रेताओं के साथ बैठक आयोजित कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा यह भी निर्देश दिये गये कि पाठ्यक्रम में परिवर्तन न किया जाये। इसके अतिरिक्त जिन विषयों में एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध नहीं है तथा उन विषयों में निजी प्रकाशकों की पुस्तकें लगाये जाने की अपरिहार्यता है तो छात्र अभिभावक संघ की बैठक में निजी प्रकाशकों की पुस्तकें लगाये जाने पर सहमति लेने के उपरान्त प्रस्ताव को प्रस्तुत किया जाये तथा जिन विषयों में निजी प्रकाशकों की अधिक मूल्य की पुस्तकें हैं उनकी प्रतियों को विद्यालय के पुस्तकालय में रखा जाये । जिलाधिकारी ने कहा कि कोई भी विद्यालय ड्रेस आदि में परिवर्तन न करें। यदि ड्रेस में परिवर्तन करने की अपरिहार्यता हो तो ड्रेस परिवर्तन की सूचना 90 दिवस पूर्व दी जाये तथा ड्रेस का डिजाइन इस प्रकार का रखा जाये जोकि खुले बाजार में आसानी से उपलब्ध हो। आरटीई के अन्तर्गत होने वाले प्रवेश के सम्बन्ध में उन्होंने कहा कि विद्यालयों की मैपिंग कराई जा रही है। आरटीई के अन्तर्गत प्रवेश प्रक्रिया में विसंगति न होने पाए। शासनादेश में दी गई व्यवस्था के अनुसार आवेदक द्वारा आवेदन में प्रयुक्त जाति एवं आय प्रमाण पत्रों का सत्यापन सक्षम प्राधिकारी से भी कराया जायेगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी और जिला विद्यालय निरीक्षक श्री देवेंद्र पांडे सहित अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के प्रगाढ़ पुनरीक्षण- 2026 के संबंध में जनपद स्तर पर जिला कॉन्टैक्ट सेंटर संचालित किया जा रहा है। यह जिला कॉन्टैक्ट सेंटर 04 नवम्बर 2025 से 07 फरवरी 2026 तक के लिए 24म7 जिला निर्वाचन कार्यालय, नवीन तहसील भवन के निकट हिमगिरी रोड मुरादाबाद में स्थापित किया गया है जिसका दूरभाष नंबर 0591-2970080 है। अपर जिलाधिकारी प्रशासन/उप जिला निर्वाचन अधिकारी मुरादाबाद संगीता गौतम ने बताया कि विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के प्रगाढ़ पुनरीक्षण- 2026 के संबंध में किसी प्रकार की जानकारी अथवा शिकायत इस दूरभाष नंबर पर कॉल करके दी जा सकती है।

तिगरी गंगा मेला: कार्तिक पूर्णिमा पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, अब तक 36 लाख ने लगाई आस्था की डुबकी

अमरोहा के तिगरी गंगा मेले में कार्तिक पूर्णिमा पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह चार बजे से स्नान शुरू हुआ और अब तक 36 लाख से अधिक श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगा चुके हैं। घाटों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। तिगरी गंगा मेले में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। बुधवार तड़के चार बजे से ही गंगा स्नान का सिलसिला शुरू हो गया था। प्रशासन के अनुसार अब तक 36 लाख से अधिक श्रद्धालु पवित्र गंगा में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। गंगा घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। महिला और पुरुष दोनों ही श्रद्धालु हर हर गंगे के जयघोष के साथ स्नान, दान और पूजन में लीन दिखे। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। बड़ी संख्या में महिला व पुरुष पुलिसकर्मी घाटों और मुख्य मार्गों पर तैनात हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए दिल्ली हाईवे समेत प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त की गई है।पुलिस ने भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाते हुए उन्हें वैकल्पिक मार्गों से भेजा जा रहा है। वहीं मेले में बाइक सवारों के प्रवेश पर भी प्रतिबंध लगाया गया है, ताकि भीड़ में किसी तरह की अव्यवस्था न हो। दोपहर बाद श्रद्धालुओं के लौटने का सिलसिला भी शुरू हो जाएगा। प्रशासन की ओर से लगातार लाउडस्पीकर से दिशा-निर्देश जारी किए जा रहे हैं। दीपदान कर भर आईं आंखें - कार्तिक मास की चतुर्दशी पर मंगलवार शाम लाखों लोगों ने दिवंगतों की आत्मा की शांति के लिए गंगा में दीपदान किया। अपने संगे संबंधी और परिजनों से बिछड़े लोगों को याद कर परिजनों की आंखें भर आईं। इस परंपरा को निभाते वक्त गंगा घाट ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे आकाश से तारे धरती पर उतर आए हों। दीयों की रोशनी से गंगा तट जगमगा उठा था। यह सिलसिला देर रात तक जारी रहा। घाटों का माहौल गमगीन हो गया। दीपदान की यह प्रथा महाभारत काल से चली आ रही है। उधर, गंगा स्नान के लिए गंगा तिगरी मेले में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी है। वहीं, कार्तिक पूर्णिमा का मुख्य स्थान बुधवार तड़के से शुरू हो गया। तिगरी धाम पर गंगा किनारे लगा ऐतिहासिक मेला 28 नवंबर से शुरू हो गया था जबकि विधिवत शुरुआत एक नवंबर को हवन पूजन के साथ हुई थी। मेले का बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा पर मुख्य स्नान के साथ समापन होगा। पिछले कई दिनों से लोग गंगा किनारे तंबू बनाकर रह रहे है जिससे में गंगा किनारे तंबुओं का शहर बस गया है।पिछले कई दिनों से गंगा किनारे पड़ाव डालकर रह रहे श्रद्धालु विभिन्न धार्मिक आयोजन करने के साथ गंगा में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। मेले का सबसे अहम पर्व चतुर्दशी को मनाया जाता है जिसमें लोग सालभर में अपने मृतक अपने परिजनों की आत्मा की शांति के लिए गंगा में दीपदान करते हैं।मंगलवार शाम सूर्यास्त होते ही तिगरी गंगा घाट पर श्रद्धालु दीपदान के लिए पहुंच गए। नम आंखों से अपने पूर्वजों के लिए दीपदान किया। शाम के समय परंपरा को निभाते वक्त गंगा घाट आसमान में तारों जैसा दिखाई देने लगा। दीपदान के बाद पुरोहितों को वस्त्र, अन्न एवं दक्षिणा आदि का दान भी किया गया। अपनों से बिछड़ों का दर्द भी छलकती आंखों में साफ दिखा जिनमें कुछ मासूम ऐसे भी थे जिन्होंने कम उम्र में ही अपनों को खो दिया। घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब लगाई आस्था की डुबकी- तिगरी मेला में तड़के से ही श्रद्धालुओं का सैलाब घाटों पर उमड़ने लगा। अन्य दिनों जहां श्रद्धालु सांस्कृतिक स्थल के पास बने स्नान घाट पर स्नान करते थे, वहीं मुख्य स्नान घाट संख्या एक से लेकर 15 तक श्रद्धालुओं की भीड़ रही। सभी घाटों पर सूरज निकलने से पहले ही स्नान शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने हर-हर गंगे के उद्घोष संग पतित पावनी में डुबकी लगाई।स्नान घाट गंगा मैया के जयकारों से गूंज उठे। उधर कई परिवारों ने गंगा किनारे बच्चों का मुंडन संस्कार भी कराया। अन्य धार्मिक अनुष्ठान भी कराए। तड़के शुरू हुआ स्नान करने का सिलसिला शाम तक चलता रहा। इस दौरान सुरक्षा के लिए एसपी अमित कुमार आनंद घोड़े पर सवार होकर मेले में सुरक्षा का जायजा लेते रहे।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में 402 करोड़ की जीएसटी चोरी: मास्टर माइंड की क्राइम कुंडली एसआईटी को सौंपी, मोबाइल नंबरों से खुलासा

प्रदेश के 402 करोड़ की जीएसटी चोरी मामले में राज्य कर विभाग ने मास्टरमाइंड अंकित कुमार की क्राइम कुंडली एसआईटी को सौंपी है। लखनऊ निवासी ने 22 राज्यों में 144 फर्जी फर्में खोलकर 1960 करोड़ का टर्नओवर दिखाया और फर्जी दस्तावेजों से कर चोरी की। विभाग ने डिजिटल साक्ष्य पुलिस को दिए हैं।प्रदेश की प्रमुख जीएसटी चोरी के मामले में राज्य कर के वरिष्ठ अधिकारियों ने मास्टरमाइंड की क्राइम कुंडली एसआईटी को सौंप दी है। बताया कि लखनऊ के मास्टरमाइंड अंकित कुमार ने फर्जी कागजातों के आधार पर किस तकनीक से 1960 करोड़ का टर्नओवर किया। साथ ही 402 करोड़ से अधिक की टैक्स चोरी कर ली। इस दौरान जीएसटी अधिकारियों ने आरोपियों के बारे में पुलिस को अहम साक्ष्यों को सौंपा। एसएसपी सतपाल अंतिल ने पुलिस लाइन में राज्य कर के आधा दर्जन अधिकारियों के साथ बैठक की। राज्य कर के अपर आयुक्त ग्रेड -1 अशोक कुमार सिंह ने एसआईटी को बताया कि दो ट्रकों को पकड़ने के बाद विभागीय अधिकारियों ने विभागीय पोर्टल के माध्यम से लखनऊ के अंकित कुमार के दो मोबाइल नंबरों को हासिल किया।तीन दिनों की लगातार छानबीन के बाद पता चला कि आरोपी ने अपने साथियों की मदद से जम्मू कश्मीर, दिल्ली से लेकर चेन्नई, पश्चिम बंगाल, झारखंड, विहार, उत्तर प्रदेश सहित 22 राज्यों में 144 बोगस फर्मों को खोला है। आरोपी ने सीजीएसटी और एसजीएसटी में फर्मों को खोलने के लिए फर्जी पैन, बिजली बिल और किराए का फर्जी एग्रीमेंट लगाया था। आरोपी अंकित कुमार ने मुज्जफनगर के सौरभ मिश्रा के लिए लोहे से लदे ट्रकों को भेजा था। अंकित के अलावा सौरभ का पता भी फर्जी निकला है। इस मामले में सिविल लाइंस थाने में दो मुकदमे दर्ज कराए गए हैं। आरोपियों तक पहुंचने के लिए राज्य कर अधिकारियों ने एसआईटी को डिजिटल साक्ष्य सौंपे। बताया कि किस प्रकार आरोपियों ने सरकार को करोड़ों का चूना लगाया। अभी कितने लोगों ने आईटीआर भरी और आईटीसी दाखिल किया है। इसके अलावा एसएसपी जिले के थानों में दर्ज अन्य छह मुकदमों के बारे में जानकारी ली। राज्य कर अधिकारियों ने बताया कि इसी प्रकार लकड़ी के कारोबारियों ने भी सीजीएसटी में बोगस फर्मों का पंजीयन कराकर करीब 200 करोड़ का चूना लगाया था। एसआईटी ने राज्य कर के अधिकारियों से आरोपियों की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली। बैठक में अपर आयुक्त ग्रेड -2 आरए सेठ, संयुक्त आयुक्त एसपी तिवारी, मिलिंद राज सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। एसएसपी ने ट्रैकिंग के टिप्स दिए - एसएसपी सतपाल अंतिल ने आरोपियों को पकड़ने के लिए एसआईटी के सीओ और निरीक्षकों को आवश्यक टिप्स दिए। एसआईटी ने आरोपियों की गर्दन पकड़ने की रणनीति पर चर्चा की। पुलिस इस मामले में छापा मारकर विधिक कार्रवाई करेगी। तीन अधिकारी करेंगे सहयोग- अपर आयुक्त ग्रेड-1 अशोक कुमार सिंह ने एसआईटी का तकनीकी सहयोग करने के लिए एसआईबी के संयुक्त आयुक्त मिलिंद राज, डिप्टी कमिश्नर उत्तम तिवारी और असिस्टेंट कमिश्नर विपिन कुमार को तैनात किया है। एसएसपी ने एसआईटी के अधिकारियों को राज्य कर के अधिकारियों से आपस में समन्वय स्थापित कर घोटाले से जुड़े साक्ष्य आपस में साझा करेंगे, ताकि मजबूत साक्ष्य एकत्रित किया जा सके।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों पर चला ट्रैफिक विभाग का डंडा , एसपी ट्रैफिक अकमल खान नियम तोड़ने वालों पर सख्त

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली जिले में ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश अभियान चलाया। एसपी ट्रैफिक की गई इस कार्रवाई में ट्रैफिक लाखों वाहन चालकों पर गिरी विभाग की इस सख्त कार्रवाई खलबली मचा दी है, वहीं जागरूकता भी देखने को मिली बरेली में बिना हेलमेट दोपहिया चालान काटे गए। कुल चालकों के किए गए। वहीं पकड़े गए वाहन चालकों पर चालान बिना ड्राइविंग लाइसेंस गए। ट्रैफिक सिग्नल तोड़ने और

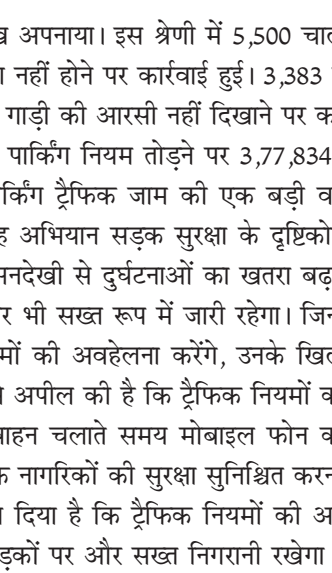

लगाने के लिए पुलिस ने अकमल खान के निर्देशन में नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले चालान की गाज । यातायात ने जहां लापरवाह चालकों में यातायात नियमों के प्रति है। मिली जानकारी के अनुसार, वाहन चलाने वालों पर सर्वाधिक 3,73,691 चालान बिना हेलमेट 31,781 चालान ओवरस्पीड में हुए। इसके अलावा 23,595 दिखाने वालों के खिलाफ किए रेड लाइट क्रॉस करने वालों के खिलाफ भी पुलिस ने सख्त रुख अपनाया। इस श्रेणी में 5,500 चालान दर्ज किए गए। वहीं 4,848 वाहन चालकों के खिलाफ बीमा नहीं होने पर कार्रवाई हुई। 3,383 चालान प्रदूषण प्रमाणपत्र (क्ष्ट) न रखने पर और 1,677 चालान गाड़ी की आरसी नहीं दिखाने पर काटे गए। सबसे ज्यादा चौंका देने वाली बात यह रही कि शहर में पार्किंग नियम तोड़ने पर 3,77,834 चालान काटे गए। यह आंकड़ा बताता है कि शहर में गलत पार्किंग ट्रैफिक जाम की एक बड़ी वजह बनी हुई है। एसपी ट्रैफिक अकमल खान ने बताया कि यह अभियान सड़क सुरक्षा के दृष्टिकोण से बेहद जरूरी था। लगातार बढ़ते ट्रैफिक और नियमों की अनदेखी से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह अभियान और भी सख्त रूप में जारी रहेगा। जिन वाहन चालकों के पास जरूरी दस्तावेज नहीं होंगे या जो नियमों की अवहेलना करेंगे, उनके खिलाफ ठोस कार्रवाई की जाएगी। एस पी ट्रैफिक ने आम जनता से अपील की है कि ट्रैफिक नियमों का पालन करें, हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें। पुलिस का उद्देश्य चालान करना नहीं, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना ही उद्देश्य है। इस अभियान से बरेली पुलिस ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि ट्रैफिक नियमों की अनदेखी अब महंगी पड़ेगी। आने वाले दिनों में ट्रैफिक विभाग सड़कों पर और सख्त निगरानी रखेगा ताकि शहर में सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके ।

श्री गुरु नानक देव जी ने दिया मानवता, समानता और सेवा का मार्ग – शिव चरन कश्यप

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। समाजवादी पार्टी के जिला एवं महानगर पदाधिकारियों ने आज गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर बरेली कॉलेज मैदान में सजे दीवान में पहुँचकर मत्था टेका तथा लंगर चखा। जिलाध्यक्ष शिव चरन कश्यप ने कहा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी ने इस पावन पर्व पर संदेश दिया है कि गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं हमें सिखाती है कि समाज में कोई छोटा-बड़ा नहीं होता। सभी मनुष्य एक समान हैं। आज देश को नफ़रत नहीं, बल्कि भाईचारे और इंसानियत के संदेश की आवश्यकता है। समाजवादी कार्यकर्ता इसी सोच के साथ समाज में प्रेम और सद्भाव की लौ जलाए रखें। महानगर अध्यक्ष शमीम खाँ सुल्तानी ने कहा कि गुरु परंपरा सेवा और त्याग की परम भावना का प्रतीक है। समाजवादी पार्टी इस मानवतावादी परंपरा को आगे बढ़ाने का कार्य करती रहेगी। जिला कोषाध्यक्ष अशोक यादव ने कहा कि यहां जो लंगर होती है सेवा समाज में समानता और एकता का संदेश देती है। समाजवादी पार्टी का उद्देश्य भी समाज को समानता न्याय और सम्मान के मार्ग पर ले जाना है। इस अवसर पर उपस्थित रहे जिला उपाध्यक्ष रविन्द्र सिंह यादव, मनोहर पटेल,मुस्ताक अहमद,सुरेंद्र सोनकर,महानगर महासचिव दीपक शर्मा, डॉ अनीस बेग,राजेश मौर्य, बृजेश श्रीवास्तव,हरिओम प्रजापति,श्यामवीर यादव, जिलाध्यक्ष महिला सभा स्मिता यादव,ऊषा यादव,बिना गौतम,जितेंद्र मुंडे,रामसेवक प्रजापति,ओमेंद्र यादव,राकेश गुप्ता,रमीज हाशमी, हिमांशु सोनकर,गंगा सिंह,अमित गिहार आदि लोग उपस्थित रहे।

सरकारी पेंशन के नाम पर करोड़ों रुपये का घोटाला आंवला पुलिस ने किया खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। आपको बताते चलें कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी साउथ अंशिका वर्मा ने बताया कि ठगी कर रहे गैंग का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। गिरोह जिन जिंदा लोगों को कागज़ों में मृत दिखाकर फर्जी विधवा और वृद्धावस्था पेंशन पास कराता था। इसी खेल में अब तक 1.23 करोड़ रुपये उड़ाए जा चुके हैं। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बुधवार को पुलिस लाइन सभागार में एसपी साउथ अंशिका वर्मा ने मामले का खुलासा किया। पेंशन का प्रलोभन देकर

गिरोह लोगों का आधार कार्ड और कागज़ात जुटाता था। फिर जनसेवा केंद्र पर फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र भी तैयार करवा दिए जाते थे । किसी को मृत दिखाकर उसके नाम पर पेंशन स्वीकृत कराई जाती, और रकम सीधे अपने तथा परिचितों के बैंक खातों में डाल दी जाती थी। पुलिस की जांच में सामने आया कि गैंग पिछले चार साल से सक्रिय था। अब तक 56 लोगों को विधवा पेंशन और दो को वृद्धावस्था पेंशन के नाम पर फर्जी लाभार्थी बनाकर रकम हड़पी गई। गिरफ्तार युवकों में बसंत विहार कॉलोनी निवासी हरीश कुमार, मोहल्ला शास्त्रीगली का शांति स्वरूप, बिलौरी निवासी मुनीष और सेंधा, भमोरा निवासी प्रमोद शामिल हैं। इनमें से हरीश जनसेवा केंद्र और एसबीआई मित्र चलाता था। दस्तावेजों की जालसाजी का काम वहीं से होता था। जबकि शांतिस्वरूप, मुनीष और प्रमोद गांव-गांव घूमकर गरीब और अनपढ़ लोगों को पैसा डबल स्कीम और महामाया योजना जैसे नामों का लालच देकर आधार कार्ड व दस्तावेज जुटाते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्रों की छह कॉपियां बरामद की हैं। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज है। कुछ पर पहले भी मामले दर्ज मिल चुके हैं। इस कार्रवाई में राजेश बाबू मिश्रा, सचिन कुमार, अमरीश शर्मा, राजेश रावत और इंद्रपाल सिंह समेत पुलिस टीम के कई जवान शामिल रहे। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

चौबारी मेला : रामगंगा के घाट पर उमडा आस्था का जन सैलाब

लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई हर हर गंगे की डुबकी किया दान-पुण्य ; सड़क पर लगा रहा भीषण जाम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। कार्तिक पूर्णिमा पर बरेली के रामगंगा चौबारी मेले में बुधवार को आस्था का जन सैलाब उमड़ पड़ा। मध्य रात्रि से ही स्नान शुरू हुआ तो रामगंगा के घाट हर-हर गंगे के जयकारों से गूंज उठे। लाखों श्रद्धालुओं ने रामगंगा में आस्था का डुबकी लगाई। श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद दान कर पुण्य कमाया। स्नान के दौरान कोई हादसा न हो, इसको ध्यान में रखते हुए

घाटों पर बैरिकेडिंग की गई है। पुलिस-पीएसी के जवान तैनात किए गए हैं। गोताखोर भी लगाए गए थे जो हर समय मुस्तैद रहे। स्नान पूजन के बाद श्रद्धालु चौबारी मेले में खरीदा करने में जुट गए। वहीं बच्चों ने झूलों व खेल-तमाशों का आनंद उठाया। बताते चलें कि रात में रंग-बिरंगी रोशनी से पूरा मेला परिसर जगमगाता रहा। मध्य रात्रि के बाद घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। सुबह होते-होते घाट पर पैर रखने तक की जगह नहीं रही। रामगंगा में लाखों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। पूजा-पाठ और दान कर पुण्य कमाया। चौबारी मेले परिसर के बाहर ही स्वागत के लिए बड़ा गेट बनाया गया है। इसी के साथ खाने-पीने की दुकानों से लेकर, सिल बट्टा, कपड़े, खिलौने, सजावटी सामान, पर्स आदि की दुकानें लगी हैं। मंगलवार को भी दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ रही। लोगों ने जमकर खरीदारी की। रामगंगा की आरती उतारकर ली स्वच्छता की शपथ गंगा समग्र नाथ नगरी ब्रज प्रांत की ओर से महानगर संयोजक ठाकुर अखिलेश सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को रामगंगा घाट पर आरती की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदूषण विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी चंद्रेश कुमार रहे। उपस्थित लोगों ने एक साथ दीप दान किया। आरती के बाद लोगों को शपथ भी दिलाई गई कि वह नदी को गंदा नहीं करेंगे।

लिलौर झील के किनारे फैमिली ट्रेन और ट्रैक का हुआ उद्घाटन

जनप्रतिनिधियों व अधिकारियो ने झील में नौका विहार और फैमिली ट्रेन में सफर कर लिया आनंद

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली, । पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह के मुख्य आतिथ्य व द्य वन एवं पर्यावरण मंत्री अरुण कुमार, सदस्य विधान परिषद कुंवर महाराज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, जिलाध्यक्ष भाजपा गरिमामयी उपस्थिति में बुधवार को जनपद रामनगर स्थित ऐतिहासिक लिलौर झील में शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर झील में नौका विहार करने और फ़ैमिली ट्रेन में धर्मपाल जी व अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा भूमि गेस्ट हाउस की भी नींव रखी। इस अवसर पर में कहा कि महाभारत काल में इस यक्ष सरोवर की भूमि नहीं बल्कि योग की भूमि है। उन्होंने हुए कहा कि लिलौर झील का विकास धार्मिक अब यह मनोरम झील पर्यटको के आकर्षण का को रोजगार मिलेगा, यहाँ के स्थानीय लोग को नियानुसार अपने घर में भी फूडिंग/लौजिंग प्राप्त कर सकते है। इसलिये आप लोग इस क्षेत्र और आने वाले पर्यटको के साथ अच्छा व्यवहार ने इसअवसर पर कहा कि महाभारत कालीन लिये धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण है और अब साथ मंडल निवासियों के लिए पर्यटन का अविनाश सिंह ने कहा कि आप लोग इस झील सहयोग दें, जिससे कि अधिक से अधिक उन्होंने कहा कि इसका प्रचार-प्रसार प्रशासनिक

अधिक से अधिक लोग यहां पर घूमने आए। उन्होंने कहा कि बरेली जनपद वासियों व अन्य पर्यटको के आवागमन की सुविधा हेतु ई. बसों का संचालन लिलौर झील तक कराया जायेगा। गर्मी के मौसम में झील का जल स्तर बना रहे इसके लिए नलकूप भी लगाए गए हैँ जो पानी की आपूर्ति करते रहेंगे। इसलिए झील का विकास नैनीताल झील की तर्ज पर किया जायेगा। अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि अभी चार डिब्बो की फ़ैमिली ट्रेन चलायी गयी है शीघ्र ही एक किलोमीटर के दायरे में ट्रेन चलेगी और बाद में इसे 52 हेक्टेयर की झील के चारों तरफ इसे चलाने की योजना है। इसलिए अवसर पर स्कूली छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति की गयी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, अपर जिलाधिकारी वि/रा संतोष कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी आंवला विदुषी सिंह,अधिशाषी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग विनय शर्मा, उप निदेशक पर्यटन रविंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

रेलवे ने उठाया ठोस कदम जिले में सात हजार आईआरसीटीसी अकाउंट बंद

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। ट्रेनों में आरक्षित टिकट बुक कराने के लिए एक अक्तूबर से आधार प्रमाणीकरण अनिवार्यता के बाद एक माह में बरेली में सात हजार से ज्यादा इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म (आईआरसीटीसी) अकाउंट बंद या फिर निष्क्रिय हो गए हैं। टिकट बुक कराने के लिए अब बिना आधार प्रमाणीकरण वाले अकाउंट का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि अभी ऐसे अकाउंट की संख्या बढ़ सकती है। रेलवे ने तत्काल आरक्षित टिकट बुकिंग की तर्ज पर ट्रेनों में आरक्षण खुलने के पहले 15 मिनट सिर्फ आधार प्रमाणित एकाउंट से ही आईआरसीटीसी की वेबसाइट या मोबाइल एप के जरिये ऑनलाइन टिकट बुकिंग की व्यवस्था एक अक्तूबर से लागू कर दी है। मुख्य वाणिज्य निरीक्षक सैय्यद इमरान ने बताया कि आरक्षित टिकटों की कालाबाजारी करने वाले फर्जी अकाउंट के जरिये ऑनलाइन टिकट बुक कराकर वास्तविक यात्रियों को नुकसान पहुंचा रहे थे। बरेली में ही ऐसे करीब सात हजार अकाउंट बंद किए गए हैं। हालांकि, बंद किए गए फर्जी अकाउंट का सही आंकड़ा मिलने में अभी कुछ समय लगेगा। यह सात हजार से ज्यादा हो सकता है। सीनियर डीसीएम संजीव शर्मा ने बताया कि आईआरसीटीसी ने आधार प्रमाणीकरण न कराने वाले सात हजार से ज्यादा फर्जी अकाउंट बंद कर दिए। देशभर में 12 करोड़ से ज्यादा लोग आईआरसीटीसी की वेबसाइट का इस्तेमाल करते हैं। अनुमान के मुताबिक बरेली में बेवसाइट का इस्तेमाल करने वालों की संख्या 11-12 हजार है।

झाड़ियों में मिला नवजात शिशु , कुत्तों ने नोच खाया : जांच में जुटी पुलिस

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शीशगढ़ थाना क्षेत्र से दिल झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। गांव बंजरिया के बाहर किसी ने नवजात शिशु को झाड़ियों में फेंक दिया। नवजात को कुत्ते नोच रहे थे। बुधवार को सुबह वहां से गुजर रहे ग्रामीण ने कुत्तों का झुंड

देखा तो वह हैरान रह गया। कुत्तों ने नवजात का एक हाथ नोचकर खा लिया था। ग्रामीण ने कुत्तों को भगाया और गांव के लोगों को सूचना दी। इस पर वहां लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही चौकी बंजरिया पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। आशंका जताई जा रही है कि रात के वक्त किसी ने नवजात को झाड़ियों में फेंका होगा। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि ऐसा कृत्य किसने किया है। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की गई है। वहीं ग्रामीणों में इस हृदयविदारक घटना को लेकर आक्रोश देखा गया।

सपा पद अधिकारियों ने क्रांति पूर्णिमा ओर गुरुनानक जयंती पर सभी को शुभ कामनाएं दी

क्यूँ न लिखूँ सच / यूसुफ / मुरादाबाद, समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव फुरकान अली के नेतृत्व मे सपा पदाधिकारीयों ने कार्तिक पूर्णिमा और गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर बधाई दीं ताड़ी खाना स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा मे गुरुनानक जयंती पर सभी को लख लख शुभकामनायें देते हुए सभी के सुख-समृद्धि की कामना की है। जिला महासचिव

फुरकान अली ने कहा कि गुरु नानक जी दार्शनिक, समाज सुधारक, कवि, योगी और देशभक्त थे। समाज से अंधविश्वास, आडंबर और जात-पात की बुराई खत्म करने के लिए उन्होंने सिख धर्म की स्थापना की। वे सिखों के प्रथम गुरु थे। सिख धर्म के माध्यम से उन्होंने मानवता को निर्गुण उपासना, नि:स्वार्थ सेवा, त्याग, समर्पण और ईमानदारी का रास्ता दिखाया। जिला प्रवक्ता धर्मेन्द्र यादव ने कहा गुरुनानक जी ने गरीब-अमीर, छोटे-बड़े और सभी जाति के लोगों को अपनाया। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही सामाजिक न्याय, परस्पर एकता और सद्भावपूर्ण सामाजिक व्यवस्था कायम हो सकती है। गुरु द्वारा सिंह सभा ने सपा पदाधिकारियों का सम्मान भी किया और भूरी भूरी प्रसंशा की। इस अवसर पर लंगर भी छका जिसमें महासचिव फुरकान अली, वेदप्रकाश सैनी, वसीम कुरैशी, जिला प्रवक्ता धर्मेन्द्र यादव, प्रेमबाबू बाल्मीकि, सरदार सिंह पाल,दलप्रीत सिंह, केदार सिंह, भूरा कुरैशी ,इंद्रजीत सिंह, महेंद्र सिंह.माजिद अली,विक्की,

मनरेगा में जमकर धांधली, ब्लॉक स्तर के जिम्मेदारो ने दिया रोजगार सेवकों और ग्राम प्रधानों को मौन समर्थन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत मनरेगा अधिनियम में ग्राम पंचायत स्तर पर किए जा रहे फर्जीवाड़ा और वित्तीय घोटाले को ब्लॉक और जिला स्तरीय अधिकारी संरक्षण प्रदान किए हुए हैं। मनरेगा भ्रष्टाचार की काली कमाई पंचायत स्तर से जिला स्तर तक रेवडी की तरह बांटी जाती है, यही कारण कि जिला स्तरीय अधिकारी भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं पर अंकुश लगाने की बजाए फर्जीवाड़ा करने वाले घोटालेबाजों को बचाने के लिए एड़ी से लेकर चोटी तक का जोर लगा रहे हैं। रोजगार सेवकों के स्थान पर ग्राम प्रधान उनकी जगह एनएमएमएस पर फर्जीवाड़ा कर सरकारी धन का जमकर बंदरबांट करने में लगे हुए है। मामला अमरिया विकासखंड की ग्राम पंचायत रौहतनिया का है, जहाँ मनरेगा के अंतर्गत जियालाल के खेत से उमाचरण के खेत तक नाला खुदान व सफाई कार्य कराया जा रहा है।

जिसमें जारी चार मस्टररोल क्रमशः 4703, 4704, 4705 और 4706 है। जिसके अंतर्गत 4-11-2025 को चारो मस्टररोल में एक ही फोटो अपलोड़ किया गया है। वही मस्टररोल 4705 और 4706 में कुल चार महिलाओं की भी उपस्थित दर्ज की गई? है। लेकिन अपलोड़ किये गये फोटो में एक भी महिला श्रमिक दिखाई नहीं दे रही है। फोटो में दिखे रहे श्रमिक भी नाबालिक बच्चे नजर आ रहे हैं। इसी तरह 5-11-2025 को भी चारो मास्टर रोल में एक ही श्रमिकों का फोटो अपलोड किया गया है, साथ ही उन्हें चार महिलाओं की उपस्थिति भी दर्ज की गई है। लेकिन अपलोड फोटो में कहीं भी कोई महिला दिखाई नहीं दे रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत रोहतानिया में तैनात रोजगार सेवक कुसुम कनौजिया का विवाह हो चुका है, और उनके स्थान पर ग्राम प्रधान आनंदपाल उनकी आईडी का उपयोग करके प्रतिदिन फर्जीवाड़ा कर रहे हैं। इस संबंध में जब अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी शुभम सक्सेना ने जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया की उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है, बह जानकारी लेकर बताएंगे। तत्पश्चात करीब एक घंटे बाद उनसे संपर्क किया गया तो फोन तो उनके द्वारा फोन नहीं रिसीव किया गया। जिससें साफ स्पष्ट होता है कि अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी अमरिया ने रोजगार सेवकों को अपना मौन समर्थन दे रखा है।

श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव पर आज गुरुद्वारा श्री कलगीधर सिंह सभा में धूमधाम से मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / गुरु महाराज के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा सिंह सभा साहिब में तीन दिन पूर्व रखे गए श्री अखंड पाठ साहिब काआज भोग पड़ा,उसके उपरांत लखबीर सिंह अमृतसर, पंजाब प्रांत से पहुंचे रागी जत्थे के द्वारा गुरु महाराज की जीवनी पर गुरबाणी के माध्यम से आई संगत को निहाल किया। रागी जत्था को गुरबाणी के माध्यम से बताया कि श्री गुरु नानक देव जी के द्वारा भेदभाव को मिटाने जात-पात को मिटाने आपसी भाईचारे का पैगाम देने के लिए इस दुनिया में अवतार लिए। उपरांत गुरुद्वारे के मुख्य ग्रंथि बाबा गुर्जन्ट सिंह ने गुरु महाराज के प्रकाश उत्सव के समागम की अरदास की । उपरांत गुरुद्वारा प्रबंधक बलविंदर सिंह बिल्लू ने गुरुद्वारा स्थित गुरु की संगत का कोटि-कोटि शुकराना और स्वागत किया। उसके बाद गुरु के लंगर की सेवा शुरू हुई जो देर शाम तक जारी रही। इस मौके पर बलविंदर सिंह बिल्लू हरपाल सिंह पन्नू, अमृतपाल सिंह,जसपाल सिंह गोराया, सतविंदर पाल सिंह,चरनजीत सिंह, अमरीक सिंह,गुरमुख सिंह,सहित सैकड़ो की तादाद में गुरु की संगत ने गुरु महाराज के गुरु पर्व पर गुरुद्वारा पहुंचकर माथा ठेका और गुरबाणी का आनंद लिया।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना सुनगढ़ी क्षेत्रान्तर्गत बाघा मो0 गंज घाट का किया गया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पुलिस अधीक्षक पीलीभीत, अभिषेक यादव महोदय द्वारा कार्तिक पूर्णिमा/ गंगा स्नान के दृष्टिगत थाना सुनगढ़ी क्षेत्रान्तर्गत बाघा मो0 गंज घाट का निरीक्षण किया गया।

महोदय द्वारा घाट पर की गई बैरिकेटिंग, गोताखोरों की व्यवस्था का अवलोकन किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। महोदय द्वारा सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता, सौहार्दपूर्ण व्यवहार एवं पूर्ण संवेदनशीलता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर एवं प्रभारी निरीक्षक थाना सुनगढ़ी उपस्थित रहे।

जान जोखिम डाल कर गंगा पार कर रहे श्रद्धालु, पहुंचे गंगा स्नान करने

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी। मुरादाबाद गंगा स्नान के लिए हर साल लाखों श्रद्धालु डिलारी के गक्कखरपुर में आते हैं, लेकिन हाल ही में इस धार्मिक स्थल पर स्थित गंगा नदी में पुल की कमी के कारण श्रद्धालुओं के लिए बड़ी समस्या पैदा हो गई है। खासकर उन श्रद्धालुओं के लिए जो गंगा पार कर से स्नान करने के लिए जाते हैं, महिलाओ और बच्चो को जान जोखिम में डालकर गंगा नदी पार करनी पड़ी। हलाकि गंगा नदी पर एक अस्थाई लकड़ी का पुल तो बनाया गया परन्तु भीड़ अधिक होने के कारण बह भी ज्यादा देर तक नहीं टिका जिससे गंगा पार के गावो से आ रहे श्रद्धालुओं को गंगा को खुद ही तैर कर पार करना पड़ा स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं का कहना है कि पिछले कई सालो से यहां कोई स्थायी पुल या फ्री सेवा नहीं है, जिससे गंगा पार करने में असुविधा हो रही है। भारी पानी के बावजूद, लोग पानी में तैर कर या बेल गाड़ी या दूसरे अस्थायी साधनों का सहारा लेकर नदी पार करते हैं। लेकिन श्रद्धालु अपनी आस्था के चलते जोखिम उठाने से पीछे नहीं हटते। श्रद्धालुओं का कहना है की हमारे लिए गंगा स्नान एक महत्वपूर्ण धार्मिक कर्तव्य है, लेकिन पुल न होने के कारण हम जान जोखिम में डालकर नदी पार करते हैं। गंगा पार के गांवो महदूद कलमी, हसनगड़ी, सीतापुर, मिश्री बेगमपुर, आदि गावो के निवासी जो हर साल गक्कखरपुर गंगा में स्नान करने आते हैं। उनका कहना है कि प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं, और श्रद्धालुओं की सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है।इस बीच, प्रशासन का कहना है कि आगामी मेले के लिए इस लकड़ी के पुल को ओर बहतर किया जाएगा, क्या प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर ध्यान देगा गंगा नदी में पुल न होने से न केवल श्रद्धालुओं के जीवन को खतरा है, बल्कि यह धार्मिक यात्रा के अनुभव को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है। सवाल यह है कि क्या स्थानीय प्रशासन इस संकट का समाधान करेगा और जल्द ही पुल का निर्माण होगा, ताकि श्रद्धालु बिना किसी डर के गंगा में स्नान कर ने आसकें।

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी, घाट पर लांखो भक्तों ने किया गंगा स्नान, पुलिस बल रहा तैनात

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी। जनपद मुरादाबाद डिलारी के गक्कखरपुर में स्थित गंगा घाट पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। बुधवार को %हर-हर गंगे% के उद्घोष के साथ भक्तों ने गंगा स्नान किया। के लिए पुलिस बल तैनात रहा। थाना डिलारी ने गंगाघाट पर जाने और आने के लिए अस्थाई पहुंचने के लिए दो रस्ते बनबाये इस व्यवस्था से को कोई परेशानी नहीं हुई। पहले एक ही रास्ता जाम में फंसे रहते थे। इसबार पुलिस प्रशासन ने अवसर पर मंगलवार को ही दुकानदार अपनी शुरू कर दिया। बुधवार को भोर से पहले ही के साथ ही डललम , ट्रैक्टर-ट्रॉली, बाइक और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना डिलारी पूरी तरह आस्था से रंग गया। हर-हर गंगे, गूंजता रहा। श्रद्धालुओं की भीड़ का अनुमान बार पहुंचे हैं। अनुमानित संख्या 90 हजार से 1 खूब निभाई गई। काफी लोगों ने अपने बच्चों बुधवार थाना डिलारी क्षेत्र के गक्कखरपुर में लांखो श्रद्धालुओं ने इस दिन विशेष रूप से गंगा लगाई। गंगा स्नान के साथ ही इस दिन के और पूजा-अर्चना करते नजर आए। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह से सतर्क रहा। पुलिस प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा बंदोबस्त किए थे। चिकित्सा सेवाओं, पेयजल, स्वच्छता, शौचालय, अग्निशमन, खोया पाया केंद्र, प्रकाश व्यवस्था और पब्लिक एड्रेस सिस्टम की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। साथ ही भीड़ इतनी थी के खोया पाया केंद्र काफी ब्यस्थ रहा। कार्तिक पूर्णिमा पर उमड़े श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद मेले की भी खूब सैर की। जिसका दृश्य मेले के गक्कखरपुर के सस्तो पर भी देखने को मिला और भीड़ ही भीड़ रही। कोई समोसे-टिक्की की चाट खाते हुए नजर आया तो कोई सोफ्टी का आनंद ले रहा था। पकौड़ी, जलेबी, हलुवा-पराठा और चाऊमीन की दुकानों पर भी बेहिसाब भीड़ देखने को मिली। मीना बाजार भी चमक रहा था। महिलाओं की भीड़ दुकानों पर लगी रही साथ ही मेले में बच्चो ने खूब खेल खिलोने खरीदे और झूलो का भी भरपूर आंनद दिया। मेला सकुशल सम्पन्न हुआ। मेले में प्रशासनिक अधिकारियो ने समय समय पर व्यवस्थाओ का जायजा लिया। सुरक्षा व्यवस्था की दृस्टि से डिलारी थाना प्रभारी पुलिस बल साथ में मुस्तैद रहे ।

इस दौरान भारी भीड़ और वाहनों को नियंत्रित करने थाना प्रभारी कृष्ण कुमार मंगेला की पहल पर ग्रामीणों लोहे के पुल का रास्ता बनबाया । साथ ही मेला स्थल जाम की समस्या से बचा जा सका, जिससे श्रद्धालुओं होने के कारण ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य वाहन घंटों इस समस्या से छुटकारा दिलाया। कार्तिक पूर्णिमा के दुकानें लेकर घाट पर पहुंचने लगे थे और उन्हें सजाना श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। दिन निकलने पैदल जाने वाले भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पुलिस गंगा घाट पर मुस्तैद रही। गंगा का किनारा महादेव और जय गंगा मैया के जयकारों से वातावरण लगाया जाए तो पिछली बार से अधिक श्रद्धालु इस लांख मानी जा रही है। इधर घाट पर मुंडन परंपरा भी के मुंडन करवाए। कार्तिक मास की पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ धूमधाम से मनाया गया। में स्नान करने के लिए घाटों पर आस्था की डुबकी विशेष धार्मिक महत्व को लेकर श्रद्धालु मन्नतें मांगते

सड़क दुर्घटना में घायल हुए समाजवादी आंदोलन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अकबर नबी इदरीसी

क्यूँ न लिखूँ सच / नूरपुर। सड़क दुर्घटना में घायल समाजवादी आंदोलन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अकबर नबी इदरीसी द्वारा थाना प्रभारी नूरपुर को सूचनार्थ हेतु 30.10.2025 को शाम 6.15 पर सैयदो वाली मश्जिद से नमाज पढ़ने के बाद बुध बाजार से था। बाजार में शिशोदिया ज्वैलर्स के सामने मेरे पीछे से हिस्से पैर पर गाडी का पहिया चढ़ा दिया जिस वजह से चोटे आई। जिसके कारण में सड़क पर ही गिर गया। उठाकर अपनी दुकान पर बैठाया। पता चला कि गाडी नम्बर ही देख पाया। मैने फोन द्वारा प्रभारी नूरपुर थाना से एक फौन आया कि मैं दीवान असलम बोल रहा हूं राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समस्त पदाधिकारी व उनके मुलाकात कर राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के साथ दुर्घटना पर कर गाड़ी पकड़ने के उपरांत गाड़ी स्वामी के खिलाफ दिया उपस्थित गण अकबर नबी इदरीसी राष्ट्रीय अध्यक्ष अहमद अंसारी पूर्व प्रत्याशी नूरपुर नगर पालिका बसपा, आंदोलन पार्टी, नवाब मलिक संभावित प्रत्याशी जिला समाजवादी पार्टी, सलीम अहमद संभावित जिला पंचायत समाजवादी पार्टी, मुफ्ती इफ्तिखार कासमी प्रवक्ता अली मंसूरी अल्पसंख्यक नगर अध्यक्ष कांग्रेस नूरपुर,

होता हुआ शिव मंदिर चौक (नूरपुर) जा रहा चार पहिया वाहन ने साइड मारकर मेरे दाये मेरे पैर का मांस फट गया और शरीर पर गुम वहाँ पर मौजूद पन्नी विक्रेता दुकानदार ने मुझे पर पीली प्लेट थी जिसका नंबर ।क्क-1912 को सूचना देकरा बता दिया उसके बाद थाने इस विषय पर समाजवादी आंदोलन पार्टी के सहयोगियों ने थाना प्रभारी विकास कुमार से बात की थाना प्रभारी नूरपुर ने जल्द ही खुलासा जांच कर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन समाजवादी आंदोलन पार्टी, डॉक्टर एहतेशाम डॉ वसीम सिद्दीकी युवा प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी पंचायत सदस्य वार्ड नंबर 3 नूरपुर ब्लॉक सदस्य प्रत्याशी वार्ड नंबर 5 नूरपुर ब्लॉक उत्तर प्रदेश समाजवादी आंदोलन पार्टी, राशिद मोहम्मद रफी मिकरानी प्रदेश कोष अध्यक्ष समाजवादी आंदोलन पार्टी, तंजीम अहमद अंसारी प्रदेश सचिव समाजवादी आंदोलन पार्टी, धर्मवीर सिंह दिवाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष एस. सी, समाज समाजवादी आंदोलन पार्टी, सलमान हुसैन संयोजक नूरपुर विधानसभा बसपा, परविंदर चौहान जलीलपुर ब्लॉक अध्यक्ष समाजवादी आंदोलन पार्टी , अंकुल यादव आदि मौजूद रहे

केपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे दिन धमाकेदार आगाज़! तीन रोमांचक मुकाबलों ने जीता दर्शकों का दिल

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ शिवपुरी। करारखेड़ा प्रीमियर लीग (KPL 2025) के तीसरे दिन पोलो ग्राउंड शिवपुरी में शानदार मुकाबलों का रोमांच देखने को मिला। शहर के बीचोंबीच आयोजित इस भव्य क्रिकेट आयोजन में दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी। टूर्नामेंट का संचालन आईपीएल की तर्ज पर किया जा रहा है, जिसमें खेल भावना, जोश और मनोरंजन का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। समारोह में मुख्य अतिथि अधिवक्ता संजीव बिलगइयां एवं विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी ब्रजेश सिंह तोमर उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन समिति की ओर से मनु राजा चौहान ने सभी का स्वागत किया।

दिनभर के मुकाबले- पहले मैच में शिवन्या 11 जबलपुर ने कटनी अरेरा को हराकर शानदार जीत दर्ज की। दूसरे मुकाबले में रौनक 11 ने कटनी टीम को मात दी, जबकि तीसरे मुकाबले में शिवन्या 11 जबलपुर ने रौनक 11 को परास्त कर लगातार दूसरी जीत अपने नाम की। मैन ऑफ द मैच- पहले मैच में रौथन, दूसरे में ऋषि पंडित (ग्वालियर) और तीसरे मैच में सूरज मैन ऑफ द मैच घोषित किए गए। इस टूर्नामेंट मे देशभर से आए खिलाड़ियों ने भाग लेकर खेल को नई ऊंचाइयां दीं। खिलाड़ियों की बल्लेबाजी और गेंदबाजी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लाइव प्रसारण- सभी मैचों का सीधा प्रसारण YouTube चैनल "360 Sports" पर किया जा रहा है, जिससे क्रिकेट प्रेमी घर बैठे भी मुकाबलों का आनंद ले सकते हैं। पुरस्कार राशि- विजेता टीम – 5,00,000, उपविजेता टीम – 2,50,000, मैन ऑफ द सीरीज – 41,000 साथ ही अन्य खिलाड़ियों को भी आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। आयोजन समिति- रवि प्रताप सिंह चौहान, मनु राजा चौहान, शिवा धाकड़, मानवेन्द्र यादव, शिवा परमार, अवध प्रताप सिंह चौहान, साविर खान। करारखेड़ा प्रीमियर लीग (KPL 2025) ने तीसरे दिन के रोमांचक मुकाबलों से क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीत लिया है। आने वाले दिनों में और भी शानदार खेल देखने की उम्मीद है।

यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षा तारीखों का एलान, यहां देखें पूरा कार्यक्रम

वर्ष 2026 की हाईस्कूल परीक्षा का कार्यक्रम

दिवस तथा दिनांक	समय	विषय तथा प्रश्नपत्र हाईस्कूल
बुधवार 18 फरवरी 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	हिन्दी
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	प्रारम्भिक हिन्दी
बृहस्पतिवार 19 फरवरी 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	कम्प्यूटर
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	सिलाई
शुक्रवार 20 फरवरी 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	सामाजिक विज्ञान
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	
शनिवार 21 फरवरी 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	गृहविज्ञान–(केवल बालिकाओं के लिये) गृहविज्ञान–(बालकों के लिये तथा उन बालिकाओं के लिये जिन्होंने इसे अनिवार्य विषय के रूप में नहीं लिया है)
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	
सोमवार 23 फरवरी 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	अंग्रेजी
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	इलेक्ट्रीशियन, हेल्थ केयर, आटोमोबाइल, सोलर सिस्टम रिपेयर, प्लम्बर,सुरक्षा आई0टी0/आई0टी0ई0एस0, मोबाइल रिपेयर, आपदा प्रबन्धन, रिटेल ट्रेडिंग (खुदरा व्यापार)
मंगलवार 24 फरवरी 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	एन0सी0सी0
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	मानव विज्ञान
बुधवार 25 फरवरी 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	विज्ञान
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	
बृहस्पतिवार 26 फरवरी 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	गुजराती, पंजाबी, बंगला, मराठी, असमी, उड़िया, कन्नड़, कश्मीरी, सिन्धी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, नेपाली
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	
शुक्रवार 27 फरवरी 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	गणित
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	
शनिवार 28 फरवरी 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	संस्कृत
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	संगीत वादन
शनिवार 07 मार्च 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	वाणिज्य
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	
सोमवार 09 मार्च 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	उर्दू
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	
मंगलवार 10 मार्च 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	चित्रकला रंजन कला
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	
बुधवार 11 मार्च 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	संगीत गायन
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	पालि, अरबी, फारसी
बृहस्पतिवार 12 मार्च 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	कृषि
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	

वर्ष 2026 की इण्टरमीडिएट परीक्षा का कार्यक्रम

दिवस तथा दिनांक	समय	विषय तथा प्रश्नपत्र इण्टरमीडिएट
बुधवार 18 फरवरी 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	सामान्य हिन्दी
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	हिन्दी
बृहस्पतिवार 19 फरवरी 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	काष्ठ शिल्प, ग्रन्थ शिल्प, सिलाई शिल्प, फल एवं खाद्य संरक्षण, पाक शास्त्र (कुकरी), परिधान रचना एवं सज्जा, धुलाई तथा रंगाई, बेकिंग तथा कन्फेक्शनरी, टेक्सटाइल डिजाइन, बुनाई तकनीक, नर्सरी शिक्षण का प्रशिक्षण एवं शिशु प्रबन्ध, पुस्तकालय विज्ञान, बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्मिक मेडिकल लैबोरेटरी तकनीक सहित, रंगीन फोटोग्राफी, रेडियो एवं रंगीन टेलीविजन, आटोमोबाइल्स, मधुमक्खी पालन, डेरी प्रौद्योगिकी, रेशम कीटपालन, बीजोत्पादन प्रौद्योगिकी, फसल सुरक्षा सेवा, पौधशाला, भूमि संरक्षण, एकाउन्टेन्सी एवं अंकेक्षण, बैंकिंग, आशुलिपि एवं टंकण, विपणन तथा विक्रय कला, सचिवीय पद्धति, बीमा, सहकारिता, टंकण हिन्दी एवं अंग्रेजी, मुद्रण,कुलाल विज्ञान, कृत्रिम अंग एवं अवयव तकनीक, इम्ब्राइडरी, हैण्ड ब्लाक प्रिंटिंग एवं वेजिटेबुल डाइंग, धातु शिल्प (मेटल क्राफ्ट), कम्प्यूटर तकनीक एवं मेन्टेनेन्स (डाटा एन्ट्री प्रासेस) घरेलू विद्युत उपकरणों की मरम्मत एवं रख–रखाव, खुदरा व्यापार, सुरक्षा, मोबाइल रिपेयरिंग, पर्यटन एवं आतिथ्य, आई0टी0/आई0टी0ई0एस0, हेल्थ केयर(स्वास्थ्य देखभाल) प्रथम प्रश्नपत्र (केवल व्यावसायिक शिक्षा वर्ग आई के लिये)
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	नागरिक शास्त्र
शुक्रवार 20 फरवरी 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	संस्कृत, कृषि शस्य विज्ञान (एग्रोनामी)–प्रथम प्रश्नपत्र–(कृषि भाग–1 के लिये) कृषि शस्य विज्ञान (एग्रोनामी)–षष्टम् प्रश्नपत्र–(कृषि भाग–2 के लिये)
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	अंग्रेजी
शनिवार 21 फरवरी 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	फल एवं खाद्य संरक्षण, पाक शास्त्र (कुकरी), परिधान रचना एवं सज्जा, धुलाई तथा रंगाई, बेकिंग तथा कन्फेक्शनरी, टेक्सटाइल डिजाइन, बुनाई तकनीक, नर्सरी शिक्षण का प्रशिक्षण एवं शिशु प्रबन्ध, पुस्तकालय विज्ञान, बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्मिक मेडिकल लेबोरेटरी तकनीक सहित, रंगीन फोटोग्राफी, रेडियो एवं रंगीन टेलीविजन, आटोमोबाइल्स, मधुमक्खी पालन, डेरी प्रौद्योगिकी, रेशम कीट पालन, बीजोत्पादन प्रौद्योगिकी, फसल सुरक्षा सेवा, पौधशाला, भूमि संरक्षण, एकाउन्टेन्सी एवं अंकेक्षण, बैंकिंग, आशुलिपि एवं टंकण, विपणन तथा विक्रय कला, सचिवीय पद्धति, बीमा, सहकारिता, टंकण हिन्दी एवं अंग्रेजी, मुद्रण,कुलाल विज्ञान, कृत्रिम अंग एवं अवयव तकनीक, इम्ब्राइडरी, हैण्ड ब्लाक प्रिंटिंग एवं वेजिटेबुल डाइंग, धातु शिल्प (मेटल क्राफ्ट), कम्प्यूटर तकनीक एवं मेन्टेनेन्स (डाटा एन्ट्री प्रासेस) घरेलू विद्युत उपकरणों की मरम्मत एवं रख–रखाव, खुदरा व्यापार, सुरक्षा, मोबाइल रिपेयरिंग, पर्यटन एवं आतिथ्य, आई0टी0/आई0टी0ई0एस0, हेल्थ केयर (स्वास्थ्य देखभाल)–द्वितीय प्रश्नपत्र (केवल व्यावसायिक शिक्षा वर्ग आई के लिये)
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	इतिहास

2

दिवस तथा दिनांक	समय	विषय तथा प्रश्नपत्र इण्टरमीडिएट
सोमवार 23 फरवरी 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	फल एवं खाद्य संरक्षण, पाक शास्त्र (कुकरी), परिधान रचना एवं सज्जा, धुलाई तथा रंगाई, बेकिंग तथा कन्फेक्शनरी, टेक्सटाइल डिजाइन, बुनाई तकनीक, नर्सरी शिक्षण का प्रशिक्षण एवं शिशु प्रबन्ध, पुस्तकालय विज्ञान, बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्मिक मेडिकल लेबोरेटरी तकनीक सहित, रंगीन फोटोग्राफी, रेडियो एवं रंगीन टेलीविजन, आटोमोबाइल्स, मधुमक्खी पालन, डेरी प्रौद्योगिकी, रेशम कीटपालन, बीजोत्पादन प्रौद्योगिकी, फसल सुरक्षा सेवा, पौधशाला, भूमि संरक्षण, एकाउन्टेन्सी एवं अंकेक्षण, बैंकिंग, आशुलिपि एवं टंकण, विपणन तथा विक्रय कला, सचिवीय पद्धति, बीमा, सहकारिता, टंकण हिन्दी एवं अंग्रेजी, मुद्रण,कुलाल विज्ञान, कृत्रिम अंग एवं अवयव तकनीक, इम्ब्राइडरी, हैण्ड ब्लाक प्रिंटिंग एवं वेजिटेबुल डाइंग, धातु शिल्प (मेटल क्राफ्ट), कम्प्यूटर तकनीक एवं मेन्टेनेन्स (डाटा एन्ट्री प्रासेस) घरेलू विद्युत उपकरणों की मरम्मत एवं रख–रखाव, खुदरा व्यापार, सुरक्षा, मोबाइल रिपेयरिंग, पर्यटन एवं आतिथ्य, आई0टी0/आई0टी0ई0एस0, हेल्थ केयर (स्वास्थ्य देखभाल)– तृतीय प्रश्नपत्र (केवल व्यावसायिक शिक्षा वर्ग आई के लिये)
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	जीव विज्ञान गणित
मंगलवार 24 फरवरी 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	शस्य विज्ञान (व्यावसायिक), कृषि वनस्पति विज्ञान–द्वितीय प्रश्न पत्र (कृषि भाग–1 के लिये), कृषि अर्थशास्त्र–सप्तम् प्रश्नपत्र (कृषि भाग–2 के लिये)
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	अर्थशास्त्र
बुधवार 25 फरवरी 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	संगीत गायन, संगीत वादन, नृत्यकला
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	रसायन विज्ञान समाज शास्त्र
बृहस्पतिवार 26 फरवरी 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	कृषि भौतिकी एवं जलवायु विज्ञान–तृतीय प्रश्न पत्र (कृषि भाग–1 के लिये), कृषि जन्तु विज्ञान–अष्ठम् प्रश्न पत्र(कृषि भाग–2 के लिये)
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	भूगोल,
शुक्रवार 27 फरवरी 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	फल एवं खाद्य संरक्षण, पाक शास्त्र (कुकरी), परिधान रचना एवं सज्जा, धुलाई तथा रंगाई, बेकिंग तथा कन्फेक्शनरी, टेक्सटाइल डिजाइन, बुनाई तकनीक, नर्सरी शिक्षण का प्रशिक्षण एवं शिशु प्रबन्ध, पुस्तकालय विज्ञान, बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्मिक (मेडिकल लेबोरेटरी तकनीक सहित), रंगीन फोटोग्राफी, रेडियो एवं रंगीन टेलीविजन, आटोमोबाइल्स, मधुमक्खी पालन, डेरी प्रौद्योगिकी, रेशम कीटपालन, बीजोत्पादन प्रौद्योगिकी, फसल सुरक्षा सेवा, पौधशाला, भूमि संरक्षण, एकाउन्टेन्सी एवं अंकेक्षण, बैंकिंग, आशुलिपि एवं टंकण (हिन्दी), आशुलिपि एवं टंकण (अंग्रेजी), विपणन तथा विक्रय कला, सचिवीय पद्धति, बीमा, सहकारिता, टंकण हिन्दी एवं अंग्रेजी, मुद्रण,कृत्रिम अंग एवं अवयव तकनीक, इम्ब्राइडरी, हैण्ड ब्लाक प्रिंटिंग एवं वेजिटेबुल डाइंग, धातु शिल्प (मेटल क्राफ्ट)–(अलीगढ़), धातु शिल्प (मेटल क्राफ्ट)–(नक्कासी), कम्प्यूटर तकनीक एवं मेन्टेनेन्स, घरेलू विद्युत उपकरणों की मरम्मत एवं रख–रखाव, खुदरा व्यापार, सुरक्षा, मोबाइल रिपेयरिंग, पर्यटन एवं आतिथ्य, आई0टी0/आई0टी0ई0एस0, हैल्थ केयर (स्वास्थ्य देखभाल) चतुर्थ–प्रश्नपत्र (केवल व्यावसायिक शिक्षा वर्ग आई के लिये)
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	भौतिक विज्ञान,सैन्य विज्ञान

शनिवार 28 फरवरी 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	कृषि अभियन्त्रण–चतुर्थ प्रश्नपत्र–(कृषि भाग–1 के लिये), कृषि पशुपालन तथा पशु चिकित्सा विज्ञान–नवम् प्रश्नपत्र (कृषि भाग–2 के लिये)
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	चित्रकला आलेखन, चित्रकला प्राविधिक, रंजनकला
शनिवार 07 मार्च 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	[illegible]
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	मनोविज्ञान
सोमवार 09 मार्च 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	उर्दू, गुजराती, पंजाबी (गुरुमुखी), बंगला, मराठी, असमी, उड़िया, कन्नड़, सिन्धी, तमिल, तेलुगू, मलयालम, नेपाली
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	[illegible]
मंगलवार 10 मार्च 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	[illegible]
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	[illegible]
बुधवार 11 मार्च 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	[illegible] एन0सी0सी0
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	पालि, अरबी, फारसी
बृहस्पतिवार 12 मार्च 2026 ई0	प्रातः 8–30 बजे से 11–45 बजे तक	कम्प्यूटर
	सायं 2 बजे से 5–15 बजे तक	

यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षा तारीखों का एलान हो गया है। इस बार दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं एक साथ शुरू होंगी। देखें कब से कब तक चलेंगी परीक्षाएं। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की वार्षिक परीक्षाओं का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। यह परीक्षाएं 18 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर 12 मार्च 2026 तक आयोजित की जाएंगी। इस बार दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं एक साथ शुरू होंगी, जो छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा है।दो पालियों में होगी परीक्षा परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली का समय सुबह 8.30 से 11.45 बजे तक है, जबकि दूसरी पाली की परीक्षा का समय दोपहर बाद 2.00 बजे से शाम 5.15 बजे है। हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट में पहले दिन हिंदी विषय की परीक्षा होगी। 10वीं का परीक्षा कार्यक्रम-

खनियाधाना में खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई – अवैध गैस रिफिलिंग पर कसी लगाम

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ शिवपुरी। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी के निर्देश पर खाद्य विभाग शिवपुरी की टीम ने खनियाधाना क्षेत्र में अवैध गैस रिफिलिंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। टीम ने क्षेत्र के विभिन्न प्रतिष्ठानों पर छापामार कार्यवाही कर अवैध रूप से रिफिल किए जा रहे 10 गैस सिलेण्डर जब्त किए हैं। कार्रवाई के दौरान विभागीय दल में जिला आपूर्ति अधिकारी तुलेश्वर कुर्रे, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी जगदीप सिंह, सहयोगी नरेश यादव एवं मां वैष्णवी गैस एजेंसी के प्रतिनिधि शामिल रहे। जप्त किए गए सिलेण्डरों का विवरण- नरेंद्र रजक, हनी गैस सर्विस बस स्टैंड खनियाधाना से – 6 सिलेण्डर राजू मिष्ठान भण्डार से – 1 सिलेण्डर, प्रिया इलेक्ट्रिकल्स से – 1 सिलेण्डर मुस्कान फिलिंग स्टेशन से – 2 सिलेण्डर, कुल – 10 सिलेण्डर जब्त किए गए। जिला आपूर्ति अधिकारी तुलेश्वर कुर्रे ने बताया कि सभी जब्त गैस सिलेण्डरों को नियमानुसार मां वैष्णवी गैस एजेंसी, खनियाधाना की सुपुर्दगी में रखा गया है। साथ ही संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध द्रवित पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण) नियमन आदेश, 2000 के उल्लंघन पर कलेक्टर कार्यालय, जिला शिवपुरी को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। खाद्य विभाग द्वारा यह कार्रवाई क्षेत्र में अवैध गैस रिफिलिंग और सिलेण्डरों के दुरुपयोग पर नियंत्रण के उद्देश्य से की गई है। विभाग ने चेतावनी दी है कि भविष्य में भी इस प्रकार की गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखी जाएगी और दोषियों के विरुद्ध कठोर कदम उठाए जाएंगे।

सूरजपुर में ठंड ने दी दस्तक, चांदनी-बिहारपुर में पारा 12 डिग्री पर पहुँचा

तीन दिन में 8 डिग्री की गिरावट, सुबह-शाम अलाव का सहारा – बारिश थमते ही मौसम ने बदला मिजाज

क्यूँ न लिखूँ सच / बिहारपुर लगातार एक सप्ताह की भारी बारिश और नमी भरे मौसम के बाद अब सूरजपुर जिले में ठंड की शुरुआत हो चुकी है। जैसे ही मोन्था चक्रवात का असर कम हुआ, आसमान साफ हुआ और मौसम ने करवट ले ली। तीन दिनों के भीतर न्यूनतम तापमान में करीब 8 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। सोमवार रात और मंगलवार, बुधवार सुबह तापमान गिरकर 12 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया। इस तेज़ गिरावट के बाद पूरे इलाके में सर्द हवाओं का असर महसूस होने लगा है। सुबह के समय हल्की धुंध छाने लगी है और वातावरण में नमी के साथ ठंडक बढ़ गई है। पहाड़ी और जंगल इलाकों में लोगों ने अलाव जलाकर ठिठुरन से राहत पाने की कोशिश शुरू कर दी है। गांवों में बढ़ी ठिठुरन, खेत-खलिहानों में सन्नाटा चांदनी, बिहारपुर, , महुली, खोहीर रामगढ़ उमझर, रसौकी जूडवनीया बैजनपाठ लूल्ह तेलाईपाठ भून्डा कछवारी मोहरसोप और आसपास के गाँवों में सुबह-सुबह खेतों में सफेद धुंध की चादर बिछी दिखाई देने लगी है। मजदूर वर्ग और किसान अब सुबह देर तक खेत नहीं पहुँच पा रहे। सुबह के समय हवा में गलन बढ़ने के कारण ग्रामीण अपने काम में विलंब कर रहे हैं। गांवों के चौपालों और घर अब में आगे जलाकर छोटे-छोटे ढेर दिखाई देने लगे हैं। बच्चे और बुजुर्ग गर्म कपड़ों में नजर आ रहे हैं। ठंड का असर बाजारों में भी दिखने लगा है – धान की कटाई को मिली रफ्तार, किसानों ने ली राहत की सांस लगातार हुई बारिश से धान की फसलें पानी में डूबी हुई थीं। कई निचले इलाकों में खेतों में पानी भर जाने से किसानों की चिंता बढ़ गई थी। अब जब चार दिन से मौसम साफ है, धूप निकल रही है और हवा चल रही है, तो धान की फसल सूखने लगी है और कटाई का काम दोबारा शुरू हो गया है। महुली के किसानों ने बताया कि अगर मौसम इसी तरह साफ रहा, तो अगले एक सप्ताह के भीतर कटाई पूरी कर लेंगे। धान की फसल को सुरक्षित रखने के लिए ग्रामीण अब खेतों में फसल पलटने और सुखाने का काम कर रहे हैं। चांदनी और बिहारपुर के आसपास के कई किसानों ने कहा कि बारिश से नुकसान तो हुआ, लेकिन अब मौसम खुलने से उम्मीद जगी है। अगर ठंड ज्यादा नहीं बढ़ी तो कटाई का काम बिना रुकावट पूरा हो जाएगा। धुंध से दृश्यता घटी, सड़क यातायात पर असर- सुबह के समय सूरजपुर जिले के कई मार्गों पर धुंध का असर देखा जा रहा है। बिहारपुर से ओड़गी, चांदनी से सूरजपुर की ओर जाने वाले मार्गों पर सुबह दृश्यता काफी कम हो गई। वाहन चालकों को हैडलाइट जलाकर चलना पड़ा। स्थानीय वाहन चालकों ने बताया कि सुबह छह से 7 बजे के बीच धुंध रहता है जिससे सड़कें साफ दिखाई नहीं देतीं। हालाँकि दिन चढ़ने के साथ धूप निकलने पर दृश्यता सामान्य हो जाती है। स्वास्थ्य पर असर, सर्दी-जुकाम के मरीज बढ़े मौसम के अचानक बदले मिजाज का असर अब लोगों के स्वास्थ्य पर भी दिखने लगा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर में इन दिनों सर्दी-जुकाम और खांसी के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। डॉक्टरों का कहना है कि मौसम के इस बदलाव में बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी रखनी चाहिए। स्वास्थ्य कर्मियों ने ग्रामीणों को सलाह दी है कि सुबह-सुबह ठंडी हवा में बाहर निकलने से बचें, गर्म कपड़ों का उपयोग करें और खान-पान पर ध्यान दें। गांवों में स्वास्थ्य टीमों को अलर्ट पर रखा गया है ताकि कोई बड़ी मौसमी बीमारी न फैले। ठंड और बढ़ेगी, पारा 10 डिग्री तक जा सकता है पश्चिमी और उत्तरी दिशा से आने वाली ठंडी हवाएँ अब सक्रिय हैं। इन हवाओं के चलते आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट की संभावना है। स्थानीय मौसम स्रोतों के अनुसार, नवंबर के दूसरे सप्ताह तक पारा 10 डिग्री या उससे नीचे पहुँच सकता है। हालांकि दिन में धूप खिलने से थोड़ी राहत बनी रहेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में तापमान 15 डिग्री के आसपास था, लेकिन अब तीन दिनों में ही पारा तेजी से नीचे आया है, जो यह संकेत है कि सर्दी ने इस बार जल्दी दस्तक दी है। ग्रामीण जीवन में बदलाव, सर्दी का पारंपरिक स्वागत- जिले के कई इलाकों में लोग अब सर्दी की तैयारियों में जुट गए हैं। लकड़ी और सूखे गोबर से अलाव जलाने की परंपरा फिर लौट आई है। बाजारों में रजाई, कंबल और ऊनी कपड़ों की मांग बढ़ी है। स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि पिछले दो दिनों में गर्म कपड़ों की बिक्री में अचानक उछाल आया है। गांवों में महिलाएँ अब धान की भूसी से बने चूल्हों पर गर्मागर्म चाय बना रही हैं, और बच्चे अलाव के आसपास खेलते हुए दिन की शुरुआत कर रहे हैं। इस तरह मौसम के बदलते मिजाज के साथ ग्रामीण जीवन में भी सर्दी का रंग साफ दिखने लगा है। सूरजपुर में सर्दी का आगाज़- सूरजपुर जिले में मौसम ने करवट ले ली है। चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र में अब सुबह-शाम ठिठुरन महसूस की जा रही है। लोगों ने अलाव का सहारा लेना शुरू कर दिया है। धान की फसल कटने की रफ्तार बढ़ी है और खेतों में फिर चहल-दुसरे सप्ताह लौट आई है। बारिश के बाद का यह ठंडा मौसम किसानों के लिए राहत लेकर आया है, लेकिन आम नागरिकों के लिए अब ठिठुरन भरी सुबहें और लंबी सर्द रातें शुरू हो चुकी हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमरोहा कांग्रेस में रार- पूर्व सांसद दानिश अली और सचिन चौधरी में तकरार, एक-दूसरे पर कसा तंज, जानें पूरा मामला

कांग्रेस नेता दानिश अली के पहचानने से इनकार किए जाने पर सचिन चौधरी ने वीडियो जारी कर पलटवार किया और खुद को पार्टी का सच्चा कार्यकर्ता बताया। उन्होंने दानिश पर पार्टी में भ्रम फैलाने और फर्जी लोगों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। दोनों के बीच चुनाव से अब तक तनातनी बनी हुई है। लोकसभा चुनाव के दौरान प्रत्याशी पद की दावेदारी से शुरू हुई कांग्रेस नेता सचिन चौधरी और पूर्व सांसद दानिश अली के बीच की तकरार अभी खत्म नहीं हुई है। पूर्व सांसद दानिश अली के द्वारा सचिन चौधरी को पहचानने से ही इनकार करने पर सचिन चौधरी ने पलटवार किया है।उन्होंने वीडियो वायरल करके खुद को कांग्रेस नेता बताया और उन्हें भी पार्टी हित में काम करने की नसीहत दी है। इसके अलावा सचिन चौधरी ने एक रील वायरल की है। जिसमें खंबे से बांधकर पिटने वाले अभिनेता के चेहरे पर दानिश अली और सवाल करने वाले अभिनेता के चेहरे पर सचिन चौधरी का चेहरा लगाया गया है। जबकि रील पर दिस टाइम सचिन चौधरी टू दानिश अली लिखा गया है। करीब दो महीने पहले पूर्व सांसद दानिश अली ने गढ़मुक्तेश्वर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी, जिसमें पत्रकारों के सवाल पर दानिश अली ने सचिन चौधरी को पहचानने से इनकार कर दिया था। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि वह कौन है, हम तो जानते नहीं। मेरे यहां कोई पदाधिकारी नहीं है। हमारे यहां न तो प्रदेश की कमेटी है न जिला अध्यक्ष और शहर अध्यक्ष हैं। इस मामले में सचिन चौधरी ने भी एक वीडियो वायरल कर अपना पक्ष रखा है। करीब 17 मिनट के वीडियो में सचिन चौधरी ने कहा कि दानिश मुझे नहीं जानते कोई बात नहीं। अगर आप मुझे नहीं जानते यह भी सोचने का विषय है। अगर आप जानकर भी अनजान बन रहे हैं तो यह भी सोचने का विषय है। मैं ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी का मेंबर हूं। मैं कांग्रेस में जनरल सेक्रेटरी रहा हूं, मैं पार्लियामेंट का चुनाव भी लड़ा हूं। मेरी पत्नी ने भी विधानसभा चुनाव लड़ा है। आप पार्टी में लोकसभा चुनाव के दौरान आए हैं और हम पहले से कम कर रहे हैं। आपने मेरे ऊपर दो-तीन मुकदमे भी लगवा दिए हैं, चलो कोई बात नहीं। हमारी लड़ाई सरकार से है आपसे नहीं। अभी तक दानिश अली कांग्रेस में मेंबर भी नहीं हैं। छह साल में तीन पार्टी बदल चुके हैं। दुश्मनी आप करिए आपका हक है, लेकिन हमारे लोगों को बरगलाइए मत। पूरे क्षेत्र को पता है कि आप जिला अध्यक्ष नहीं बनवा पाए। आप कितनी ताकतवर हैं, सबको पता है। यदि आप यह चाह रहे हैं कि बड़े नेताओं का नाम लेकर किसी को डरा लेंगे तो ऐसा नहीं होगा। अपनी भाषा शैली में सुधार करिए, सम्मान देंगे सम्मान मिलेगा। दानिश अली नेता है ब्रोकर है या लाइजनर है, यह आपको डिसाइड करना पड़ेगा। अधिकारियों के आगे हाथ जोड़ना बंद करिए। जो चुनाव के समय हो गया वह अब नहीं होगा। वहीं पूर्व सांसद कुंवर दानिश अली ने कहा कि वीडियो दो महीने पुराना है। पत्रकारों ने मुझसे सवाल किए थे, जिस पर मैंने कहा था कि मैं इस नाम के व्यक्ति को नहीं जानता। मैं इसे स्तर ही नहीं समझता। अगर हम हर किसी का जवाब देंगे तो कर ली राजनीति। जो चीटर है वह चीटर ही रहेगा। चीटर कभी नेता नहीं बन सकता है। आज की तारीख में वह पार्टी में कोई पदाधिकारी भी नहीं है।

Is Your Skincare Routine Really Incomplete Without Toner? Understand the Complete Science Behind It

Do you also skip toner in your skincare routine or think it's unnecessary? If yes, then you should definitely read this article. In fact, toner is often called the 'hidden hero' in the world of skincare. Let's explain why toner is important and the complete science behind it. After cleansing, the skin's pH balance is often disrupted. Toner deeply cleanses and hydrates the skin. It also helps in better absorption of moisturizer. Do you also often skip toner between your cleanser and moisturizer in your skincare routine? If yes, then you are missing a very important step. Many people consider toner to be just 'water', but the truth is that it acts as a bridge in your skincare process, preparing your skin for the next steps. What does toner do? - When you use a face wash or cleanser, it cleanses the surface dirt and oil, but fine dirt, makeup particles, or oil residue remain in your skin's pores. This is exactly what toner does - it deeply cleanses the impurities that remain even after cleansing. It makes your skin feel completely clean and refreshed. pH Balance and Skin Tightening - The biggest scientific function of toner is to correct the skin's pH balance. Our cleansers are often slightly alkaline, which can disrupt our skin's natural pH level (which is slightly acidic). Toner quickly restores this balance. When the pH level is correct, the skin remains healthy and can fight harmful bacteria, reducing the risk of acne. Along with this, toner also works to tighten your open pores. When pores shrink, less dirt accumulates in them, making your skin look smoother and more even. Increased moisturizer absorption: After applying toner, your skin is better prepared to absorb subsequent products. When the skin's pH is balanced and it's free of impurities, the nutrients from any serums or moisturizers you apply can penetrate deeper into the skin. If you skip the toner, your expensive moisturizer might not work as effectively. In short, toner isn't just an extra step; it's an essential part of completing the cleansing, toning, and moisturizing process. The right toner helps keep your skin healthy, balanced, and radiant. Try incorporating it into your routine, and you'll soon see the difference.

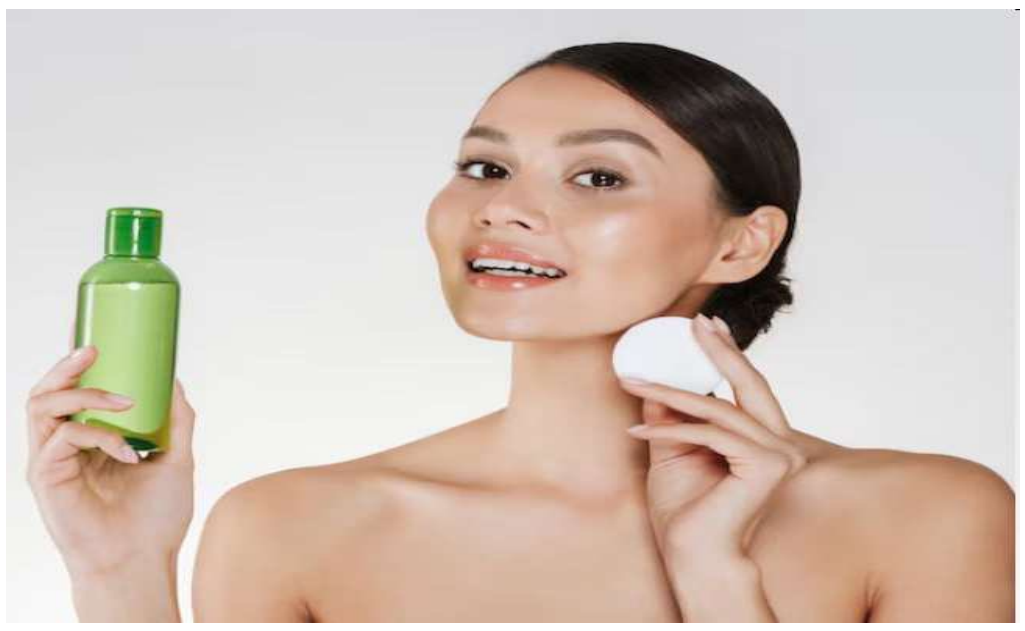

Is Your Partner a Perfect Match? Read About the Essential Qualities for a Happy Love Life

Have you ever felt that your relationship should be like a movie story? Where everything is absolutely 'perfect'? However, in real life, no relationship is completely perfect, but some special qualities can definitely make your partner a great companion. Love alone is not enough for a happy relationship. A strong love life requires certain qualities in your partner. Adopting these habits can reduce fights and arguments. We've all seen it in movies – love begins, romantic songs play, and everything seems magical, but when a relationship lasts in real life, we realize that mere glamour is not enough. Is your partner just your 'crush', or do they have the potential to become a lifelong partner? You might be wondering what a 'perfect match' is. The truth is, no one in the world is completely perfect, but some specific habits and qualities give your relationship the strength to overcome every challenge. If you want your love life to always remain happy and strong, then along with love, you need to look for these 5 essential qualities (Best Partner Qualities) in your partner. Trust is the most important - The first and most important condition of any relationship is trust and honesty. If you cannot blindly trust your partner, the relationship will not last. A good partner is one who doesn't hide anything from you, no matter how difficult the truth may be. Respecting each other - Along with love, respect is also very important. A 'perfect match' is someone who values ??your feelings, thoughts, and decisions. A good relationship is built when both partners help each other grow instead of putting each other down. Wisdom in resolving difficulties - Every relationship has minor fights or disagreements. A true and good partner is one who doesn't prolong the argument but tries to resolve it calmly. The goal isn't to win the argument, but to preserve the relationship. Paying attention to small details is crucial – love isn't shown through grand gestures and expensive gifts, but through small acts of kindness. Does your partner worry about you when you're unwell? Do they pay attention to your likes and dislikes? These little things are what keep the sweetness alive in a relationship. Accepting change is also important; everyone changes over time. A great partner is someone who accepts themselves and you as you both evolve. They don't try to force you to change, nor do they criticize you for your flaws. Remember, a perfect partner isn't someone without any flaws, but someone who possesses these essential qualities and fills your life with happiness.

Say goodbye to boring blouses! From halter necks to corsets, these 8 designs will give you a bold and stylish look.

If you're a fan of beautiful and trendy blouse designs, then these fashionable blouse looks will surely inspire you. Whether it's a halter neck, backless, sheer fabric, cutout, or one-shoulder blouse, each design adds a modern touch while maintaining a traditional look. By adopting these designs, you can look extremely glamorous and graceful at every function. You can update your wardrobe with trendy blouse designs. Corset-style blouses help to make your waist look slimmer. Off-shoulder and deep V-neck designs are also trending these days. Whenever it comes to traditional outfits, women first focus on blouse designs to make their look special. A blouse plays an important role in making a saree or lehenga stylish. If you are also looking for fashionable and trendy blouse designs, then this article is especially for you. The blouse designs given here are so beautiful that you will want to try something new every time. Let's learn about some such amazing blouse designs. Halter Neck Blouse - You can wear this stylish halter neck blouse with a lehenga or georgette saree. This design gives a look and is perfect for summer functions. Backless Sequin Blouse - A backless blouse adorned with glitter and sequin work will give you a royal and bold look. This style looks stunning with night functions, receptions, or party wear sarees. Deep V-neck Sleeveless Blouse - This design is the best combination of simplicity and style. This design, which enhances the beauty of the neck, gives you an elegant and feminine look, especially with floral print or silk sarees. Sheer Fabric Blouse - For special occasions, you can gracefully wear a transparent or sheer fabric blouse. These designs are perfect for giving a modern and sensual touch to a saree. Cutout Design Blouse - If you want to try something unique, choose a cutout style blouse. You can pair it with a heavily embroidered or mirror work lehenga for a very stylish look. High Neck and Long Sleeves Blouse - This design is perfect for looking royal and graceful. Especially for winter weddings or formal functions, this look gives you a classic touch. Corset Style Blouse - A fitted corset blouse is also one of the trendy styles. This blouse gives a bold and confident look with a lehenga and beautifully highlights the figure. One Shoulder Blouse - If you want a Western touch in your traditional outfit, a one-shoulder blouse is a perfect choice. You can wear it with both sarees and skirts, which will give you a glamorous and fresh look. By trying all these designs, you too can look the most stylish and trendy at any festive or wedding occasion.

Mahesh Babu and Priyanka Chopra's Film's First Look to be Revealed on OTT: When and Where?

Filmmaker SS Rajamouli's upcoming film starring Mahesh Babu and Priyanka Chopra Jonas will have its first-look teaser launched in Hyderabad, and the event will be live-streamed on OTT platforms. Read on to find out when and where. Mahesh Babu and Priyanka's film's first look will be revealed on OTT. The film's first teaser will be released in Hyderabad - Mahesh Babu and Priyanka to be seen together for the first time in Globetrotter. Preparations are underway for the launch of the most awaited SS Rajamouli film starring Mahesh Babu and Priyanka Chopra Jonas, the first teaser of which will be released in Hyderabad. Fans are already very excited about this film starring Mahesh Babu and Priyanka, and now this event has further increased the excitement. When and where will the film's first look be streamed? The makers have confirmed that the film's first teaser launch will be held in Hyderabad and will be made available to viewers outside the venue through live streaming on the OTT platform Jio Hotstar. Arrangements are being made for both those present at the event and online viewers. Rajamouli's projects and their events are always grand, and therefore this event is also expected to be grand. Sharing this information, the makers wrote on social media, "The launch of the most awaited Jio Hotstar at Ramoji Film City, event by Hyderabad on November 15th at 6 PM." Mahesh Babu and Priyanka sharing the screen for the first time - SS Rajamouli is currently directing this film, which stars Mahesh Babu and Priyanka Chopra Jonas in the lead roles. The film's shooting is underway, and the inclusion of these actors has further increased people's expectations from this project. The digital version of this event will provide fans from India and abroad with the opportunity to watch the launch of the film's first look in real-time, highlighting the growing importance of OTT platforms in film distribution and audience engagement. Industry experts say that Rajamouli's previous films have set standards in terms of promotional strategies, and this live OTT launch further reinforces that. Although the nature of the first-look teaser remains a secret, the launch event on November 15th is considered a significant milestone in the film's promotional campaign. As the date approaches, more updates are expected from the production team in the coming days.

This Netflix film takes you back 100 years; this 1 hour and 56-minute movie without any dialogue is creating a sensation on OTT.

In the old days, when cinema first began, silent films were made. Recently, a similar silent comedy thriller film has been released on the OTT platform Netflix, which has no dialogue, yet the movie's story will win your heart. This film will surely remind you of Kamal Haasan's Pushpak. This comedy thriller is making waves on Netflix. The silent film has won the hearts of the audience. This new release has become a must-watch on OTT. Do you remember South actor Kamal Haasan's film Pushpak, which had no dialogue, but the story and characters conveyed so much? A similar new film has now been streamed online on the OTT platform Netflix, which is a comedy thriller. It offers a massive dose of drama, suspense, comedy, and a murder mystery. This 1 hour and 56-minute film is creating a sensation on Netflix. The story is so well-crafted that it will make you think. Let's find out which movie is being talked about here. The silent film that's trending on Netflix: Around 1910, when the world of cinema began, silent films were made. They had no dialogues. Only the characters and the story, along with background music, entertained the audience. Now, about 100 years later, a similar film has arrived, called Ufff Yeh Siyapaa. This silent film, starring actors like Soham Shah, Nushrratt Bharuccha, Nora Fatehi, and Omkar Kapoor, was recently released on Netflix. This dialogue-free film has won everyone's hearts with its excellent story. While dialogue is considered the soul of films these days, the makers have taken a bold move by creating a silent film like Uff Yeh Syapa, which is receiving widespread praise. It is getting a positive response from viewers on the OTT platform Netflix. Not only that, many critics are also praising it. Furthermore, Uff Yeh Syapa has received a good rating of 5.6/10 from IMDb, making it worth watching. What is the story of Uff Yeh Syapa? - The story of Uff Yeh Syapa revolves around a small parcel that ends up at the wrong address, leading to a major mishap. There's a man who keeps flirting with his attractive neighbor, but he's completely under his wife's thumb. Then, this man encounters two dead bodies, and the film's story takes a complete turn. With a blend of social drama and comedy, Uff Yeh Syapa promises to entertain you.

Lata Mangeshkar created this legendary Bollywood duo, ruling the music industry for decades.

Lata Mangeshkar's voice has graced numerous songs in the Indian music industry, and many of her songs remain on everyone's lips today. Lata Mangeshkar was not only talented but also a keen observer of others' talents. The Nightingale of India forged a duo in the Indian music industry that ruled Bollywood for decades, and whose songs remain iconic even today. Lata Mangeshkar was the reason these legendary musicians met. They ruled the music industry for decades, giving Bollywood many memorable songs like "Ek Do Teen," "Dafli Wale," and "Amar Akbar Anthony." These classic songs resonate from generation to generation, a testament to the talent of the legendary music composer duo, Laxmikant-Pyarelal. Their partnership, born of friendship and fueled by passion, ruled the Hindi film industry for nearly three decades until Laxmikant's sudden demise. Born on Diwali in 1937, Laxmikant Shantaram Kudalkar lost his father at a young age. Faced with financial difficulties in his family, he abandoned his studies and began learning the mandolin from his father's friend. This was his first step into the world of music. The legendary musical duo Laxmikant-Pyarelal met thanks to Lata Mangeshkar. She saw Laxmikant play the mandolin at a concert, was deeply impressed, and enrolled him in her family's music academy, Suril Kala Kendra. It was there that Laxmikant (then 10 years old) met Pyarelal (who was 7 years old). After training for two years with the renowned mandolin player Hussain Ali, Laxmikant began organizing Indian classical music concerts for a living. As a child, he acted in films such as Bhakta Pundalik (1949), as well as a few Gujarati films. According to Rajiv Vijaykar's book, "The Music of Pyarelal," the two first met as children. Laxmikant was 10 years old at the time, and Pyarelal was only 7. Lata Mangeshkar gave them their first break in the industry. They met at the Mangeshkar family's music academy, Suril Kala Kendra. Along with Hridaynath and Usha Mangeshkar, they performed in stage shows and often went on long walks afterward. It was during these moments that they composed their first tunes together. Their talent soon caught the attention of Lata Mangeshkar, who saw Laxmikant playing the mandolin during a performance at the Radio Club. Impressed, he recommended them to the great composers of the time – Shankar-Jaikishan, Ghulam Mohammed and Jaidev – and thus began the rise of the legendary musician duo in Indian cinema. Laxmikant-Pyarelal was an Indian music composer duo consisting of Laxmikant Shantaram Kudalkar (1937–1998) and Pyarelal Ramprasad Sharma (born 1940). In their career spanning from 1963 to 1998, they composed music for nearly 750 films, working with many legendary filmmakers. Laxmikant Pyarelal's songs are: Man Kyon Bahka Re Bahka Dheere Dheere Bol Koi Sun Na Le Hansta Hua Noorani Chehra Ek Do Teen Lambi Judaai Chhup Gaye Sare Nazare Illuilu Amar Akbar Anthony